RNI NO. PUNBIL/2014/59416 UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

राजनीति मत कीजिए, भाषा का ले नाम।
हो जाती इस फेर में, भाषाएं बदनाम।
भाषाएं बदनाम, किस लिए होना क्रेजी।
मां-बोली के साथ, सीख हिंदी-अंग्रेजी।
कह साहिल कविराय, त्रिभाषा का विश्लेषण।
लोकल-देश-विदेश, मजे से कर संप्रेषण।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 144 | WEDNESDAY DATE 17-06-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

अल-नीनो से निपटने की रणनीति, हर हफ्ते होगी बैठक: शिवराज

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 16 जून । केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि देश के जिन राज्यों में अल-नीनो का प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक पड़ सकता है, वहां के चिह्नित जिलों के जिला अधिकारियों, कृषि विभाग, केवीके और अन्य विस्तार तंत्र के साथ समन्वित बैठकें आयोजित की जायें। उन्होंने कहा कि इन बैठकों में जिला स्तर पर पूरी स्थिति स्पष्ट कर किसानों के बीच जागरूकता अभियान चलाया जाये, ताकि हर किसान को यह पता रहे कि उसके क्षेत्र के लिए कौन-सी सावधानियां और कौन-से फसल विकल्प अधिक सुरक्षित हैं। वह यहां उच्च स्तरीय साप्ताहिक कृषि समीक्षा बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस बैठक में खरीफ 2026 के लिए देशभर की तैयारियों की समीक्षा के साथ ही, संभावित अल-नीनो परिस्थितियों पर गहन चर्चा की।

धैर्य, विवेक और दूरदर्शिता से किए गए कार्यों से ही सुख-समृद्धि के द्वार खुलते हैं: प्रधानमंत्री मोदी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 16 जून ।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर संस्कृत सुभाषित साझा किया।

पीएम मोदी ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'धैर्य, विवेक और दूरदर्शिता से किए गए कार्यों से ही सुख-समृद्धि के द्वार खुलते हैं, इसलिए हर निर्णय में पूरी समझदारी जरूरी है, क्योंकि सोच-समझकर उठाया गया कदम ही सफलता का आधार बनता है।'

प्रधानमंत्री मोदी की ओर से संस्कृत श्लोक, 'सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम्। वृणते हि विमृश्यकारिणं गुणलुब्धाः स्वयमेव सम्पदः॥' शेयर किया गया।

इस श्लोक का हिंदी अर्थ है कि किसी भी कार्य को बिना सोचे-समझे नहीं करना चाहिए, क्योंकि बिना विचार किए काम को करना बड़ी विपत्तियों का कारण होता है। इसके विपरीत, जो व्यक्ति अच्छी तरह सोच विचार कर काम करता है, गुणों की सफलता और लक्ष्मी स्वयं ढूंढते हुए उसका चुनाव करती हैं। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने 15 जून को सुभाषित साझा किया था। पीएम मोदी ने लिखा था कि हर मिट्टी के ढेले में अलग सोच; हर जलाशय में ताजा पानी। हर जन्म में नई खोजें; हर मुंह में नई बोली होती है। प्रधानमंत्री ने वीडियो शेयर कर लिखा था कि नवाचार और उद्यम के क्षेत्र में प्रत्येक व्यक्ति की सोच और सर्जनात्मक दृष्टि अलग-अलग होती है, और यही विविधता नई संभावनाओं को जन्म देती है। जिस प्रकार हल जल स्रोत का स्वाद भिन्न होता है, उसी प्रकार हर प्रतिभा अपनी अनूठी पहचान और योग्यता रखती है।

संक्षिप्त ताजा खबरें

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अवंतीपोरा में ड्रग तस्कर की 25 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की

जम्मू, यूटर्न/ 16 जून । नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत ड्रग तस्करी पर कार्रवाई करते हुए राज्य पुलिस ने मंगलवार को कुख्यात ड्रग तस्कर निसार अहमद खानादय के दो मंजिला आवासीय मकान और 25 लाख रुपए की जमीन जब्त कर ली। पुलिस की यह कार्रवाई अवंतीपोरा में नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत की गई। अवंतीपोरा पुलिस की जांच में संपत्ति को अवैध घोषित किया गया। जांच में पता चला कि आवासीय भवन मादक पदार्थों और मनोरोग पदार्थों की अवैध तस्करी से प्राप्त धन से खरीदा गया था। आरोपी अहमद खानादय का आपराधिक इतिहास रहा है और उस पर मादक पदार्थों और ड्रग तस्करी के कई मामले दर्ज हैं। अवंतीपोरा पुलिस ने एक बयान में मादक पदार्थों के तस्करों और नशीले पदार्थों के व्यापार में शामिल सभी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

पटना कोचिंग विवाद पर चिराग पासवान बोले- कहीं न कहीं गड़बड़ी हुई है, निष्पक्ष जांच होनी चाहिए

पटना, यूटर्न/ 16 जून । बिहार की राजधानी पटना के दो कोचिंग संस्थानों खान ग्लोबल स्टडीज और ज्ञान बिंदु कोचिंग सेंटर के बीच शुरू हुए विवाद के बीच ज्ञान बिंदु कोचिंग सेंटर के निदेशक रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की नेपाल के एक होटल में मौत के बाद इस मामले को लेकर बयानबाजियों का दौर शुरू हो गया है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भी कहा कि कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ियां तो हुई हैं और उसकी जांच होनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख ने मीडिया से बातचीत में इस मामले को लेकर कहा कि जांच हो भी रही है और जांच होनी भी चाहिए। सत्य सबके सामने आना चाहिए। कहा कौन दोषी है? किस वजह से ये घटनाक्रम घटा, वह जरूर सबके सामने आना चाहिए। उन्होंने शिक्षा को माफिया जैसे शब्दों को जोड़ने से इन्कार करते हुए कहा कि 'मैं माफिया जैसा शब्द शिक्षा के साथ नहीं जोड़ना चाहूंगा। पर हां, कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ियां तो हुई हैं, जिसकी वजह से स्थिति असहज हुई है। बच्चों के भविष्य से जुड़ा विषय है।

कर प्रशासन को नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है सरकार: रेखा गुप्ता

» **नयी दिल्ली, यूटर्न/ 16 जून ।**

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार कर (टैक्स) प्रशासन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

सुश्री गुप्ता ने आज कहा कि ट्रेड एंड टैक्स विभाग की ओर से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रशासन से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक व्यापक दो सप्ताह का जीएसटी डोमेन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कर प्रशासन केवल राजस्व संग्रह तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीक, कानून, जांच, विश्लेषण और जनसेवा का एक समन्वित तंत्र बन चुका है, इसलिए अधिकारियों का नियमित क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केंद्र सरकार के संस्थान राष्ट्रीय सीमा शुल्क, अप्रत्यक्ष कर एवं नारकोटिक्स अकादमी (एनएसीआईएन) के सहयोग से आयोजित किया जाएगा।

यह विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम 15 जून से 26 जून तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें प्रतिदिन तीन प्रशिक्षण सत्र आयोजित होंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य विभागीय अधिकारियों के ज्ञान, कौशल और व्यावसायिक दक्षता को मजबूत करना है ताकि वे जीएसटी प्रशासन के विभिन्न पहलुओं का अधिक प्रभावी ढंग से संचालन कर सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशिक्षण में जीएसटी नेटवर्क पर व्यावहारिक अभ्यास भी कराया जायेगा, जिसमें रिटर्न फाइलिंग, पंजीकरण, संशोधन, निरस्तीकरण, पुनर्बहाली, बैक ऑफिस संचालन, हेल्पडेस्क और शिकायत निवारण तंत्र की जानकारी दी जायेगी।

रेखा गुप्ता ने डीएम कार्यालय में 'सिटिजन लाउंज-कम-न्यू एज लर्निंग सेंटर' का किया उद्घाटन

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को नयी दिल्ली जिलाधिकारी (डीएम) कार्यालय परिसर में स्थापित 'सिटिजन लाउंज-कम-न्यू एज लर्निंग सेंटर' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आधुनिक सिटिजन लाउंज, लाइब्रेरी एवं रीडिंग कॉर्नर तथा नव-निर्मित शौचालय ब्लॉक का अवलोकन किया। उन्होंने इस पहल को सुशासन और जनसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कहा कि प्रशासनिक कार्यालयों में आने वाले नागरिकों को सम्मानजनक, सुविधाजनक और सकारात्मक अनुभव मिलना चाहिए और यही दिल्ली सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक वेटिंग लाउंज या लाइब्रेरी नहीं, बल्कि नयी सोच और बेहतर प्रशासन का प्रतीक है। यहां आसपास की बस्तियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चे भी आकर अध्ययन कर सकेंगे और ऐसी सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे, जो सामान्यतः उनके लिए सहज उपलब्ध नहीं होतीं।

टेलीग्राम ब्लॉक करने पर बिफरे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष, खड़गे ने मांगा धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 16 जून ।**

नीट पेपर पर चल रहे विवाद और देशभर में प्रतियोगी परीक्षाओं के लीक मामले में मंगलवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगा। मल्लिकार्जुन खड़गे ने नीट एग्जामिनेशन प्रोसेस मामले में मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम को ब्लॉक करने की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार समस्या का मूल समाधान करने की जगह हताशापूर्ण फैसले ले रही है। जैसे, प्रश्न पत्र के वाहन की सुरक्षा में भारतीय वायुसेना को तैनात करना, डिजिटल प्लेटफॉर्म को ब्लॉक करना और इस पेपर लीक के मामले में मुख्य आरोपी को सुरक्षा प्रदान करना। दुर्भाग्य की बात है कि सिर्फ छोटे मोहरों को भी इस मामले में दबोचा जा रहा है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पोस्ट पर कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफा मांगना चाहिए, जिनकी वजह से करोड़ों युवाओं की भविष्य अधर में है। खड़गे के मुताबिक, पिछले एक साल में पेपर लीक की 90 घटनाएं प्रकाश में आई हैं। इस वजह से 9 करोड़ युवाओं का भविष्य अंधेरे में हैं, जो मौजूदा समय में सरकारी नौकरियों और अन्य उच्चस्तरीय परीक्षाओं की तैयारियों में जुटे हुए हैं।

युवाओं का सपना तोड़ रही है मोदी सरकार : राहुल

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 16 जून ।**

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि देश के हर युवा का भविष्य सुरक्षित करना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन मोदी सरकार पेपर लीक, परीक्षा कुप्रबंधन, रद्द होती भर्तियों, बढ़ती फीस, निजीकरण और घोटालों के जरिए करोड़ों युवाओं के सपनों को तोड़ रही है।

श्री गांधी ने मंगलवार को युवाओं और विशेषकर जेन-जी पीढ़ी के नाम जारी संदेश में कहा कि युवाओं का भविष्य ही देश का भविष्य तय करेगा और इसी मुद्दे पर वह राजस्थान के कोटा में आयोजित होने वाली 'छात्रों की गूंज' महारैली में विस्तार से अपनी बात रखेंगे। उन्होंने युवाओं से आ'ान किया कि देश की हर गली, कस्बे और शहर से उठ रही 'छात्रों की गूंज' को कोटा में एक मजबूत हुंकार में बदलें। उन्होंने कहा कि 17 जून को आयोजित होने वाली इस महारैली में युवाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

अब बिना डॉक्टर की पर्ची नहीं मिलेगी कफ सिरप, केंद्र ने बदले नियम

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 16 जून ।**

केंद्र सरकार ने मंगलवार को ड्रग्स रूल्स, 1945 में संशोधन करते हुए कफ सिरप सहित सिरप आधारित दवाओं की बिना डॉक्टर की पर्ची (प्रिस्क्रिप्शन) के ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) बिक्री पर रोक लगा दी है।

यह फैसला सरकार द्वारा अनुसूची-के के तहत छूट प्राप्त दवाओं की श्रेणी से 'सिरप' शब्द हटाने के बाद लिया गया है, जिससे ऐसी दवाओं पर नियामकीय निगरानी और सख्त हो गई है। यह बदलाव ड्रग्स (पांचवां संशोधन) नियम, 2026 के तहत अधिसूचित किया गया है, जिसका उद्देश्य सिरप आधारित दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर बेहतर नियंत्रण सुनिश्चित करना है।

ड्रग्स रूल्स, 1945 की 'अनुसूची-के' में उन दवाओं की श्रेणियां शामिल हैं, जिन्हें कुछ शर्तों के साथ उनके निर्माण, बिक्री और वितरण से जुड़े कानूनों के कुछ प्रावधानों से छूट दी गई थी। ये छूट मूल रूप से कुछ विशेष परिस्थितियों में लोगों को दवाएं आसानी से उपलब्ध कराने के लिए दी गई थीं।

संशोधन से पहले यह प्रावधान था कि 1,000 से कम आबादी वाले गांवों में कफ सिरप को कुछ खुदरा बिक्री लाइसेंस नियमों का पालन किए बिना बेचा जा सकता था। लेकिन अब इस बदलाव के बाद यह छूट कफ सिरप पर लागू नहीं होगी। अब ऐसे गांवों में कफ सिरप की बिक्री और वितरण केवल विधिवत लाइसेंस प्राप्त फार्मेसी के माध्यम से ही किया जा सकेगा।

इसके लिए ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 और ड्रग्स रूल्स, 1945 के प्रावधानों का पालन करना अनिवार्य होगा। इसके अलावा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने कहा कि यह संशोधन सिरप आधारित दवाओं पर नियामकीय निगरानी को मजबूत करने और मौजूदा सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुरूप नियमों को बेहतर बनाने के लिए किया गया है।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अकासा एयर की उड़ानें शुरू, नवी मुंबई और बेंगलुरु के लिए सीधी सेवा शुरू

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 16 जून ।**

अकासा एयर ने मंगलवार से नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से वाणिज्यिक उड़ान संचालन (कॉमर्शियल ऑपरेशन) शुरू कर दिया, और इसके साथ ही यह इस नए हवाई अड्डे से सेवाएं शुरू करने वाली शुरूआती विमानन कंपनियों में शामिल हो गई है। एयरलाइन ने नोएडा से नवी मुंबई और बेंगलुरु के लिए सीधी उड़ान सेवा शुरू की है। यह उसके नेटवर्क विस्तार की रणनीति में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है और इससे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में उसकी मौजूदगी और मजबूत होगी। पहली फ्लाइट सुबह 7:25 बजे नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना हुई और सुबह 9:35 बजे नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची। वापसी की फ्लाइट

नोएडा से सुबह 10:15 बजे रवाना हुई और दोपहर 12:30 बजे नवी मुंबई पहुंची।

इसके साथ ही एयरलाइन ने बेंगलुरु के लिए भी सीधी फ्लाइट शुरू की है। एयरलाइन ने कहा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उसका शीघ्र प्रवेश प्रमुख विकास बाजारों में मजबूत उपस्थिति बनाने की उसकी रणनीति के अनुरूप है।

यह शुरूआत अकासा एयर की विस्तार योजनाओं में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। कंपनी का लक्ष्य नए हवाई अड्डों के विकास और उत्तर भारत में बढ़ती हवाई यात्रा की मांग का लाभ उठाना है। विमानन कंपनी ने कहा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुरूआती चरण में प्रवेश उसकी उन योजनाओं के अनुरूप है, जिनके तहत वह तेजी से विकसित हो रहे प्रमुख बाजारों में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाना चाहती है। अकासा एयर के सह-संस्थापक और मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी आनंद श्रीनिवासन ने कहा कि नोएडा से उड़ान संचालन शुरू करना कंपनी की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा, 'नोएडा में हमारी शुरूआती मौजूदगी प्रमुख विकासशील बाजारों में मजबूत नेटवर्क तैयार करने की हमारी दीर्घकालिक रणनीति के अनुरूप है। साथ ही हम आधुनिक विमानन अवसंरचना के विकास में भी योगदान देना चाहते हैं। हम नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के साथ अपनी साझेदारी को और मजबूत करने तथा यात्रियों को बेहतर और भरोसेमंद यात्रा अनुभव देने के लिए उत्साहित हैं।' नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उपाध्यक्ष क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने कहा कि अकासा एयर का यहां संचालन शुरू करना यात्रियों के लिए यात्रा विकल्प बढ़ाने और क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, 'इस हवाई अड्डे से सेवाएं देने वाली शुरूआती विमानन कंपनियों में शामिल होने के कारण अकासा एयर यात्रियों के लिए नई यात्रा संभावनाएं और अधिक विकल्प उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।'

अवैध कॉलोनियों पर चला जिला नगर योजनाकार (प्रवर्तन) का शिकंजा

गांव ददलाना और नांगलखेडी में क्षतिग्रस्त हुई, अनाधिकृत कॉलोनियां

जिला नगर योजनाकार (प्रवर्तन) ने आमजन से अपील की कि वे किसी भी भूखंड अथवा संपत्ति की खरीद से पूर्व उसकी वैधता की जांच अवश्य करें तथा अवैध कॉलोनियों में निवेश करने से बचें।

निर्मल सिंह विर्क/ पानीपत, यूटर्न/ 16 जून। जिला नगर योजनाकार (प्रवर्तन) के नेतृत्व में मंगलवार को अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाते हुए सख्त कार्रवाई की गई। इस दौरान लगभग 25 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही 5 अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त किया गया। साथ ही 3 अवैध निमार्णों, लगभग 20 डीपीसी, सीवरेज नेटवर्क तथा आंतरिक अर्थन रोड नेटवर्क को भी हटाया गया। यह कार्रवाई राजस्व एस्टेट खेड़ी नांगल एवं ददलाना में की गई। अभियान के दौरान पर्याप्त पुलिस बल की उपस्थिति सुनिश्चित की गई, जिससे पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। जिला नगर योजनाकार (प्रवर्तन) ने आमजन से अपील की कि वे किसी भी भूखंड अथवा संपत्ति की खरीद से पूर्व उसकी वैधता की जांच अवश्य करें तथा अवैध कॉलोनियों में निवेश करने से बचें। उन्होंने कहा कि ऐसी कॉलोनियों में सरकार द्वारा किसी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा सकतीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभाग द्वारा अवैध कॉलोनियों एवं अनधिकृत निमार्णों के विरुद्ध अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा तथा नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नेताओं के इशारे पर रंजिश निकालने के लिए आम आदमी को झूठे मुकदमों में फंसाने वाले पुलिस अधिकारियों को हो फांसी : मनोज राठी

सीआईए टीम द्वारा बैंक मैनेजर को झूठे केस में फंसाने पर कांग्रेस नेता ने जताई कड़ी प्रतिक्रिया

» **राजेश सलूजा**

हरियाणा, यूटर्न/ 16 जून । वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोज राठी ने कहा है कि पुलिस के जो अधिकारी नेताओं के इशारों पर या अपनी रंजिश निकालने के लिए आम नागरिकों को झूठे केस में फंसाते हैं, उन पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि ऐसे नेताओं पर विभागीय कार्रवाई के साथ-साथ उन्हें फांसी की सजा दी जाए, तो भी कम है।

मनोज राठी ने कहा कि हाल में ही सामने आया है कि किस प्रकार सीआईए टीम ने निर्दोष बैंक मैनेजर से मारपीट की और उसे झूठे केस में फंसाने के लिए एनडीपीएस के केस में फंसा दिया। उन्होंने कहा कि यह तो मैनेजर ने अपने पूरे तथ्य रखे, जिस पर गौर करते हुए माननीय अदालत ने न केवल मैनेजर को बाइज्जत बरी कर दिया बल्कि सीआईए के तत्कालीन प्रभारी कप्तान सिंह सहित उनके अन्य चहेतों को नोटिस जारी करके जवाब मांग लिया। उन्होंने कहा कि यदि कोई नागरिक किसी वजह से पुख्ता तथ्य एकत्रित न कर पाए या अदालत में पेश न कर पाए तो ऐसे भ्रष्ट व रंजिश निकालने वाले पुलिस अधिकारियों की बदौलत किसी निर्दोष को जेल में चक्की पिसनी पड़ सकती है।

मनोज राठी ने कहा कि ऐसे पुलिस अधिकारी अपने राजनीतिक आकाओं के इशारे पर काम करते हैं या फिर अपनी रंजिश निकालने के लिए निदोर्षों को फंसाते हैं और फिर उनसे मोटी रकम ऐंठ लेते हैं। इस प्रकार के अधिकारी डकैत होते हैं, जो वर्दी

पहनकर और सरकार से लाइसेंस लेकर डकैती मारते हैं। पुलिस का काम आम लोगों को इंसाफ देना होता है, लेकिन अगर इंसाफ देने वाला ही लोगों को झूठे मुकदमा में फंसाने लग जाए तो लोग कहां जाएंगे। उन्होंने कहा कि सीआईए टीम ने जो कृत्य किया है, उसके चलते उन्हें कठोर सजा देनी चाहिए और तुरंत उनको नौकरी से बर्खास्त करना चाहिए ताकि और अधिकारियों में भी संदेश जाए। उन्होंने कहा कि हम न्याय की लड़ाई लड़ने वाले बैंक मैनेजर के साथ हैं और ऐसे भ्रष्ट पुलिस अधिकारियों के खिलाफ हर स्तर पर जाएंगे।

दिल्ली में फर्जी बीमा करने वाला गिरोह पकड़ा गया, चार आरोपी गिरफ़्तार

नई दिल्ली, यूटर्न/ 16 जून । दिल्ली के दक्षिण-पश्चिम जिले की साइबर थाना पुलिस ने बीमा पॉलिसी नवीनीकरण के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले एक फर्जी बीमा गिरोह का भंडाफोड़ कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुनील कुमार रावत (38), राहुल (28), सोनू (37) और शिवम उर्फ मोनू (26) के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, यह गिरोह मुख्य रूप से वरिष्ठ नागरिकों को अपना शिकार बनाता था।

इसगिरोह ने बीमा पॉलिसी नवीनीकरण के नाम पर एक वरिष्ठ नागरिक से चार लाख रुपये की ठगी की थी। दक्षिण-पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि तकनीकी विश्लेषण, निगरानी और स्थानीय खुफिया सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने पूरे नेटवर्क का पदार्फाश कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि आरोपियों के कब्जे से दो लाख रुपये नकद, 10 मोबाइल फोन, फर्जी बीमा दस्तावेज और व्हाट्सऐप चैट समेत कई डिजिटल साक्ष्य बरामद किये गये हैं। पुलिस के मुताबिक मामला तब सामने आया जब एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज करायी कि उसे व्हाट्सऐप कॉल के जरिए एक व्यक्ति ने खुद को वित्तीय कंपनी का प्रतिनिधि बताते हुए कहा कि उसकी बीमा पॉलिसी समाप्त हो चुकी है और उसके नवीनीकरण के लिए चार लाख रुपये का प्रीमियम जमा करना होगा। आरोपी की बातों पर भरोसा कर शिकायतकर्ता ने बताये गये बैंक खातों में रकम जमा कर दी। बाद में उसे व्हाट्सऐप पर फर्जी बीमा दस्तावेज भेज दिये गये।

भाजपा वरिष्ठ नेता रवि सैनी ने संभाला वन विभाग के चेयरमैन पद

जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ सहित अन्य पदाधिकारियों ने दी बधाई

हरियाणा, यूटर्न/ 16 जून । भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रवि सैनी ने पंचकूला स्थित कार्यालय में हरियाणा वन विभाग के चेयरमैन पद का विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर भाजपा के विभिन्न पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं शुभचिंतकों ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

भाजपा नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि रवि सैनी अपने लंबे राजनीतिक एवं सामाजिक अनुभव के बल पर वन विभाग के चेयरमैन के रूप में प्रभावी कार्य करते हुए पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण तथा हरित विकास से जुड़े कार्यों को नई गति प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में विभाग जनहित से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण कार्यों को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाएगा। इस अवसर पर उपस्थित जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ उपाध्यक्ष संजीव रेवड़ी, सतीश सुरलिया मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा, आईटी मीडिया प्रमुख सुरेश जांगड़ा, हिसार विधानसभा बीएलए1 रामचन्द्र गुप्ता, लोकेश असीजा, अनुज जैन, मनदीप मलिक, सरोज सिहाग, प्रोमिला पूनिया, महेंद्र सिंह पानू, नरेश ग्रेवाल, संजय कुमार व डॉ. संजय मुंजाल सहित अन्य अनेक पदाधिकारियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

दिल्ली-एनसीआर निवासियों को गर्मी से राहत मिली, बारिश के बाद तापमान में 9 डिग्री की गिरावट

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 16 जून ।**

मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में हुई हल्की बारिश ने निवासियों को भीषण गर्मी से राहत दिलाई।

मौसम विभाग के अनुसार, बारिश के बाद अधिकतम तापमान में लगभग 9 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई, जिससे निवासियों को ठंडक का एहसास हुआ।

बारिश के बाद, मंगलवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में इसी तरह का मौसम रहने की संभावना है, जिसमें दिल्ली-एनसीआर में रुक-रुक कर बारिश, गरज और तेज हवाएं चलने की संभावना है।

मौसम विभाग ने आगामी दिनों के पूर्वानुमान में कहा है कि अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस के

आसपास रहने की संभावना है, जबकि न्यूनतम तापमान 27-28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। आर्द्रता 65 से 40 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। 19 जून से तापमान में फिर से वृद्धि शुरू हो सकती है। आईएमडी ने 16 से 22 जून के बीच राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में छिटपुट से लेकर व्यापक वर्षा की भविष्यवाणी की है।

इन दिनों में से अधिकांश समय के लिए मौसम विभाग ने गरज के साथ बारिश की भविष्यवाणी की है। अच्छी खबर यह है कि 17 से 21 जून तक की अवधि के लिए कोई विशेष मौसम चेतावनी जारी नहीं की गई है।

एक बयान में कहा गया कि 16 और 17 जून को और 19 से 22 जून के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में छिटपुट गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से 60 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) चलने की संभावना है; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 17 जून को भी यही स्थिति रहेगी।

कुछ मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिमी विक्षोभ और स्थानीय मौसम संबंधी गतिविधियों के प्रभाव से जून महीने में भीषण गर्मी के बावजूद दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में मौसम सुहावना रहने की संभावना है। साथ ही, आर्द्रता बढ़ने की संभावना को देखते हुए बारिश की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

फिलहाल, तापमान में आई भारी गिरावट से लोगों को भीषण गर्मी से काफी राहत मिली है, और आने वाले दिनों में भी रुक-रुक कर बारिश जारी रहने की उम्मीद है। विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की सलाह भी दी है।

सभी संगीन घटनाओं के सटीक खुलासे के बाद शिवली पुलिस का अब जुआंरियों पर शिकंजा, चार गिरफ्तार

» सुनील बाजपेई

कानपुर, यूटर्न/ 16 जून । कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में हर तरह के अपराधियों के खिलाफ शिवली पुलिस का अभियान लगातार जारी है ,जिसके क्रम में अधिक से अधिक कमाई के लालच में हार जीत की बाजी लगाकर जुआं खेलने वाले गिरोह भंडाफोड़ करने में सफलता प्राप्त की गई है।इस कार्रवाई में पुलिस ने चार जुआंडियोंके पास से 35700 की नगदी भी बरामद की है।यह सफलता अपने अब तक के कार्यकाल में छोटी बड़ी सभी संगीन घटनाओं आदि का भी सटीक खुलासा करने में सफल निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के तेजतर्रार और व्यवहार कुशल जुझारू तेवरों वाले इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह की अगुवाई में मिली। उन्होंने मोबाइल की रोशनी में जुआं खेल रहे 04 जुआरियों अनुज शुक्ला पुत्र कृपाशंकर शुक्ला निवासी ग्राम बारा सिरोही थाना कल्यानपुर, ,सुनील कुमार पुत्र बाबूलाल निवासी ग्राम बन्सटी थाना चौबेपुर, अनिल कुमार पुत्र सुन्दरलाल निवासी ग्राम बहरमपुर थाना चौबेपुर, जीतू कुमार वर्मा निवासी ग्राम बारा सिरोही थाना कल्यानपुर जनपद कानपुर नगर को ग्राम गौरी से आगे खेत में चौकी क्षेत्र बाघपुर से जुआ खेलते हुए हिरासत लिया गया।उनके पास से 35700 रुपये, 52 ताश के पत्ते और एक सफेद गमछे का फड़ भी मिला।

अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले इंस्पेक्टर अमरेन्द्र बहादुर सिंह की अगुवाई वाली इस टीम में सब इंस्पेक्टर योगेन्द्र कुमार शर्मा ,कांस्टेबल बोबी सिंह, सोनवीर सिंह, प्रशिक्षु कांस्टेबल सुमित कुमार, प्रवेन्द्र, राघवेन्द्र तिवारी और अतुल प्रताप सिंह आदि शामिल रहे।

नशा मुक्त हो जिला अभियान तहत संदिग्ध नशा तस्करों पर पुलिस की लगातार कार्रवाई

कलायत क्षेत्र में संदिग्ध नशा व शराब तस्करों के ठिकानों पर की गई सघन जांच

» रवि जैस्ट

कलायत, यूटर्न/ 16 जून। नशा व शराब तस्करो की धरपकड़ व अन्य अपराधीक गतिविधियों पर अंकुश लगाने तथा अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के निदेशानुसार कैथल पुलिस लगातार प्रयासरत है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि मंगलवार की सुबह थाना कलायत एसएचओ पीएसआई अमन की अगुवाई में कलायत क्षेत्र में संदिग्ध नशा व शराब तस्करों के घर व अन्य ठिकानो पर सर्च अभियान चलाया गया। इस दौरान घरों की जांच सहित अन्य जगह की छानबीन की गई कि कहीं किसी जगह कोई मादक पदार्थ छिपा रखा हो या कोई नशा बेचने वाला या आपराधिक कार्य करने वाला गैर कानूनी तरीके से न रहता हो।

एसपी मनप्रीत सिंह सूदन ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करना व अपराधियों व नशा तस्करों में भय उत्पन्न करना है। उन्होंने कहा कि इस अभियान में मुख्य रूप से नशा तथा शराब का कारोबार करने वालों पर शिकंजा कसना है, जिला पुलिस का उद्देश्य कैथल जिला को नशा मुक्त बनाना है। इसके साथ साथ पुलिस द्वारा सर्च ऑपरेशन के अलावा वहां मौजूद आमजन को समझाया गया कि किसी प्रकार के मादक पदार्थ बेचने वाले या अन्य किसी अपराधी के बारे में पुलिस को सूचित करें, सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा, इसके साथ साथ नशा ना करने बारे भी जागरूक किया गया। पुलिस का यह अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा और इससे या तो अपराधीक व्यक्ति अपराध करना छोड़ देगा या वह कैथल के क्षेत्र को छोड़ देगा। नशा तस्करो को कड़ा संदेश देते हुए एसपी ने कहा की नशा बेचकर अर्जित की गई सम्पति की भी जांच पड़ताल की जा रही है, नशा बेचकर कमाई गई अवैध सम्पति को अटैच करवाया जाएगा। आमजन बेझिझक नशा तस्करो की सूचना पुलिस को दें, नशा तस्करो की असली जगह जेल है।

बडसीकरी कलां में पुस्तकालय का नाम बदलने पर विवाद,राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

» कलायत, यूटर्न/ 16 जून।

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर युवा मंच बडसीकरी कलां द्वारा संचालित पुस्तकालय का नाम बदलकर 'अटल पुस्तकालय' करने के विरोध में बहुजन स्टूडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (बसवा) इंडिया और युवा मंच ने उपमंडल अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम एसडीएम अजय हुड्डा को ज्ञापन सौंपा है। डॉ. बी.आर. अम्बेडकर युवा मंच के प्रधान प्रवीन राठी और बसवा के मुख्य प्रभारी अमित बेलरखा ने इस कदम की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि बडसीकरी कलां में वर्ष 2012 से समाज के सहयोग से चल रही इस लाइब्रेरी का नाम बदलना संविधान निमार्ता बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का अपमान है, जिसे बहुजन समाज बर्दाश्त नहीं करेगा। प्रदर्शनकारियों का दावा है कि सरकार ने प्रदेश में महापुरुषों और शहीदों के नाम पर चल रहे करीब 300 पुस्तकालयों के नाम बदलकर अटल पुस्तकालय कर दिए हैं, जिससे समाज में भारी रोष है।

बसवा टीम और छात्र नेताओं ने सरकार से इन सभी पुराने पुस्तकालयों के नाम पुनः बहाल करने की मांग की है। पूर्व प्रदेश प्रभारी अजय कलायत और साहिल सुसैन ने स्पष्ट किया कि यदि सरकार नई बिल्डिंग बनाकर अटल पुस्तकालय खोलती है, तो वे उसका पूरा सहयोग करेंगे। लेकिन, शहीद भगत सिंह, ऊधम सिंह, सर छोटूराम, एपीजे अब्दुल कलाम, संत कबीरदास और गुरु रविदास जैसे महापुरुषों व शहीदों के नाम पर चल रहे पुस्तकालयों के नाम बदलने पर जिला मुख्यालयों पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर गुरमीत राठी, अभिषेक धानिया, मोनू धानिया, विकास धानिया, प्रिंस राठी, मनीष कश्यप और कैलाश राठी सहित कई युवा मौजूद रहे।

जलभराव की समस्या को दूर करना प्रशासन की जिम्मेदारी : डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यु-टर्न 16 जून। उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि मानसून से पहले जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बारिश के दौरान आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी विभाग पूरी जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ कार्य करें। जिला सचिवालय सभागार में मंगलवार को आयोजित बैठक में उपायुक्त ने आगामी बरसात के मौसम को देखते हुए नालों की सफाई, जल निकासी व्यवस्था और संवेदनशील क्षेत्रों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित सभी बड़े व छोटे नालों की सफाई अभियान मोड में पूरी की जाए ताकि वर्षा जल की निकासी बिना किसी बाधा के हो सके। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि मानसून के दौरान जिले के किसी भी हिस्से में जलभराव की स्थिति नहीं बननी चाहिए। नालों में गाद, कचरा और अवरोधों को तत्काल हटाया जाए तथा सफाई कार्य की नियमित निगरानी की जाए।

इस कार्य में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डॉ. वशिष्ठ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे केवल कार्यालयों तक सीमित न रहें, बल्कि फील्ड में जाकर वास्तविक स्थिति का निरीक्षण करें। जिन क्षेत्रों में पूर्व वर्षों में जलभराव की शिकायतें सामने आई हैं, वहां विशेष निगरानी रखते हुए पहले से आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने कहा कि नालों की समयबद्ध सफाई और जल निकासी तंत्र को मजबूत बनाकर ही बरसात के दौरान लोगों को राहत दी जा सकती है। नगर निगम, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, पंचायत विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियां आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा प्रत्येक कार्य की प्रगति की नियमित समीक्षा करें।

उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल समस्या आने पर समाधान करना नहीं, बल्कि संभावित समस्याओं को पहले ही रोकना है। इसी सोच के तहत मानसून से पूर्व व्यापक तैयारियां की जा रही हैं ताकि नागरिकों को सुरक्षित, स्वच्छ और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नालों, ड्रेनों, तालाबों और अन्य जल निकासी स्रोतों की स्थिति पर लगातार नजर रखें तथा जहां भी अवरोध या तकनीकी समस्या हो, उसका तत्काल समाधान सुनिश्चित करें।

वजीर नगर और चौशाला में प्राकृतिक खेती शिविर: 12 साल की उपलब्धियों के बीच किसानों ने सीखे लागत घटाने के गुर

» कलायत, यूटर्न/ 16 जून।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा कलायत खंड के गांव वजीर नगर और चौशाला में एक दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। उपनिदेशक डॉ. रविंद्र हुड्डा के मार्गदर्शन और खंड कृषि अधिकारी डॉ. विजय मान के सफल नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में भारी संख्या में स्थानीय किसानों ने हिस्सा लिया। शिविर की अध्यक्षता करते हुए डॉ. विजय मान ने बताया कि पिछले 12 वर्षों में सरकार ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड और विभिन्न अनुदानों के जरिए किसानों की लागत कम करने व आय बढ़ाने के लिए कई क्रांतिकारी कदम उठाए हैं। इस दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों डॉ. रमेश वर्मा और डॉ. दीपक ने किसानों को सचेत किया कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग से धरती की उर्वरा शक्ति क्षीण हो रही है और मानव स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है, जिसका एकमात्र और स्थायी समाधान प्राकृतिक खेती ही है।

विशेषज्ञों से सीखी जीवामृत बनाने की विधि, किसानों ने लिया प्राकृतिक खेती शुरू करने का संकल्प शिविर के दौरान तकनीकी विशेषज्ञों डॉ. जोगिन्द्र सिंह और डॉ. विशाल द्वारा किसानों को जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत और मल्चिंग की व्यावहारिक जानकारी दी गई।

गोविंदा आश्रम पिहोवा में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का विशाल भंडारे के साथ हुआ समापन

» प्रमोद कौशिक/संजीव कुमारी

पिहोवा, यूटर्न/ 16 जून । शिवपुरी रोड स्थित श्री गोविंदनंद आश्रम ठाकुरद्वारा में पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में 17 मई से 16 जून तक आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आज मंगलवार को विशाल भंडारे के साथ विधिवत समापन हो गया। कथा का आयोजन महामंडलेश्वर 1008 स्वामी विद्यागिरि महाराज एवं पीठ के संस्थापक श्रीमहंत बंसी पुरी महाराज के सानिध्य में तथा व्यासपीठ से कथावाचक आश्रम की महंत सर्वेश्वरी गिरि द्वारा किया गया। समापन अवसर पर उपस्थित

श्रद्धालुओंकोसंबोधितकरतेहुएमहामंडलेश्वर 1008 स्वामी विद्यागिरि महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मानव जीवन को सदाचार, भक्ति

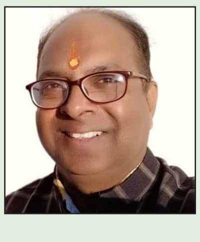

और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाला दिव्य ज्ञान यज्ञ है। उन्होंने कहा कि कथा श्रवण से मन की शुद्धि होती है तथा व्यक्ति में सकारात्मक संस्कारों का विकास होता है। पुरुषोत्तम मास में भगवान की भक्ति, सत्संग और दान-पुण्य का विशेष महत्व बताया गया है। उन्होंने श्रद्धालुओं से कथा में प्राप्त शिक्षाओं को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का आ'ान किया। वहीं श्री दक्षिणा काली पीठ के संस्थापक एवं अखाड़ा के श्रीमहंत बंसी पुरी महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि धार्मिक आयोजन समाज में आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि एक माह तक चली कथा के दौरान श्रद्धालुओं में धर्म के प्रति गहरी आस्था और उत्साह देखने को मिला। कथा के माध्यम से सनातन संस्कृति और भारतीय परंपराओं के संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचा है। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने वाले सभी श्रद्धालुओं, सहयोगियों एवं यजमानों का आभार व्यक्त किया।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

अकाल तख्त के फैसले से सियासी तापमान बढ़ा... टकराव की जमीन तैयार

संदीप शर्मा

अकाल तख्त और पंजाब के मुख्यमंत्री के बीच पैदा हुआ गतिरोध केवल एक कथित वीडियो विवाद तक सीमित नहीं है। यह पंजाब में धर्म, राजनीति और शासन के बीच धुंधली होती जा रही सीमाओं को लेकर कई असहज सवाल खड़े करता है। मुख्यमंत्री को 'गुरु दोखी' और 'खालसा पंथ विरोधी' घोषित करने का अकाल तख्त का फैसला एक असाधारण कदम है। सिख समाज में ऐसे ऐलानों का गहरा प्रतीकात्मक महत्व होता है। वहीं दूसरी ओर, पंजाब सरकार के आलोचकों का कहना है कि लोकतांत्रिक रूप से चुने गए नेता सिख धर्म की सर्वोच्च लौकिक संस्था द्वारा उठाए गए सवालों को यूं ही खारिज नहीं कर सकते। नतीजतन ऐसी स्थिति बन गई है जिसमें फिलहाल कोई भी पक्ष पीछे हटने को तैयार नहीं दिखता। हालांकि आम आदमी पार्टी का कहना है कि चुनावी माहौल में वायरल होने वाले किसी भी वीडियो को बिना पर्याप्त प्रमाण के आधार नहीं बनाया जा सकता। दूसरी ओर अकाल तख्त का दावा है कि संबंधित वीडियो की फोरेंसिक जांच हो चुकी है और उसे प्रमाणिक पाया गया है। लेकिन यह सवाल अब भी अनुत्तरित है कि आखिर वह कौन-सी फोरेंसिक प्रयोगशालाएं थीं जिन्होंने यह निष्कर्ष दिया। यदि जांच रिपोर्टों और संस्थाओं के नाम सार्वजनिक नहीं किए जाते, तो स्वाभाविक रूप से संदेह और बहस की गुंजाइश बनी रहती है। यही वह पहलू है जो चिंता पैदा करता है। समस्या केवल विवाद की नहीं, बल्कि उस माहौल की भी है जो इसके आसपास बन रहा है। पंजाब में आज हर असहमति राजनीतिक निष्ठा या धार्मिक प्रतिबद्धता की परीक्षा में बदलने का जोखिम उठाती दिख रही है। जिन संस्थाओं को अपने-अपने दायरे में काम करना चाहिए, वे धीरे-धीरे ऐसे सार्वजनिक संघर्षों का हिस्सा बनती जा रही हैं जो राजनीतिक मुकाबले जैसे प्रतीत होते हैं। कथित वीडियो का विवाद इस समस्या को और स्पष्ट करता है। मुख्यमंत्री लगातार कहते रहे हैं कि वीडियो फर्जी है या कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से तैयार किया गया है। एक स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसे विवादों का समाधान पारदर्शी साक्ष्यों, सार्वजनिक जांच-पड़ताल और संस्थागत प्रक्रियाओं के जरिए होना चाहिए। लेकिन यह मामला सोशल मीडिया के माध्यम से राजनीतिक और धार्मिक टकराव का रूप ले चुका है। इस पूरे प्रकरण में दोनों पक्षों की चिंताओं को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। निर्वाचित सरकारों को कानून बनाने का अधिकार प्राप्त है, लेकिन जब विषय किसी समुदाय की गहरी धार्मिक भावनाओं से जुड़ा हो, तब संवाद और व्यापक सहमति की आवश्यकता और बढ़ जाती है। सबसे बड़ा खतरा तब पैदा होता है जब हर मतभेद वर्चस्व की लड़ाई में बदल जाता है। सरकारों की वैधता लोकतांत्रिक जनादेश से आती है, जबकि धार्मिक संस्थाओं की वैधता आस्था और परंपरा से। जब इनमें से कोई भी दूसरे की भूमिका या अधिकार को कमतर करने की कोशिश करता है, तो सबसे अधिक नुकसान जनता के भरोसे को होता है। पंजाब ने अपने इतिहास में संघर्ष और तनाव के कई दौर देखे हैं। इसलिए राज्य भलीभांति जानता है कि संस्थागत टकरावों के क्या परिणाम हो सकते हैं। स्वस्थ लोकतांत्रिक संस्कृति वही होती है जहां मतभेदों का समाधान संवाद से हो, न कि घोषणाओं, आरोपों और सार्वजनिक शक्ति-प्रदर्शन से। न सरकार को और न ही धार्मिक संस्थाओं को ऐसे विवादों के तमाशे में बदलने से कोई वास्तविक लाभ मिलता है। नशाखोरी, बेरोजगारी, आर्थिक चुनौतियां और सामाजिक तनाव जैसी समस्याएं आज भी पंजाब के सामने मौजूद हैं। ये मुद्दे इतने गंभीर हैं कि उन्हें अंतहीन संस्थागत संघर्षों की भेंट नहीं चढ़ना चाहिए। राज्य को ऐसी लोकतांत्रिक और धार्मिक संस्थाओं की जरूरत है जो सम्मान अर्जित करें, न कि एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करें। असल चिंता यह नहीं है कि इस विवाद में जीत किसकी होती है। असली सवाल यह है कि क्या पंजाब का सार्वजनिक जीवन इतना ध्रुवीकृत होता जा रहा है कि हर मुद्दा अंततः धर्म और राजनीति के बीच मुकाबले में बदल जाए। यदि ऐसा होता है, तो नुकसान किसी एक पक्ष का नहीं, बल्कि पूरे पंजाब का होगा।

बल और बुद्धि में संतुलन जरूरी

एक बार बल और बुद्धि में विवाद हो गया। बल ने कहा,मैं बड़ा हूं। मेरे बिना कुछ भी नहीं होता। बुद्धि ने कहा,तुम किसी काम के नहीं हो। मैं बड़ी हूं। मेरे बिना तुम्हारी उपयोगिता ही क्या है? दोनों इस विषय पर उलझ गए। विवाद का निपटारा करने के लिए वे विवेक के पास पहुंचे। दोनों ने अपनी-अपनी श्रेष्ठता बताते हुए न्याय करने की प्रार्थना की। विवेक ने कहा,मेरे साथ चलो। मैं न्याय करूंगा। उसने अपने हाथ में एक हथौड़ा और लोहे की एक कील ली। वह कील मुड़ी हुई थी। विवेक उन दोनों को साथ लेकर चल पड़ा। वे तीनों एक वृद्ध व्यक्ति के पास पहुंचे। विवेक बोला,आप समझदार हैं, बुद्धिमान और अनुभवी हैं। हमारा एक छोटा-सा काम कर दें। यह लोहे की कील टेढ़ी हो गई। आप इसे सीधी कर दें। वृद्ध ने कहा-हां कर दूंगा। विवेक ने वृद्ध के हाथ में हथौड़ा थमा दिया। वृद्ध व्यक्ति ने हथौड़ा चलाना चाहा किंतु वह उसे चला नहीं सका। उसके हाथ इस कार्य को करने में असमर्थ थे। उसने हथौड़ा लौटाते हुए कहा,भाई, यह कार्य संभव नहीं है। विवेक ने बुद्धि से कहा,देखो, बुद्धिमान होते हुए भी यह वृद्ध इस छोटे से कार्य को नहीं कर सका। बुद्धि, बल और विवेक तीनों आगे बढ़े। विवेक ने देखा एक हट्टा-कट्टा जवान खेत में काम कर रहा है। वह शक्तिशाली था किंतु बुद्धिमान नहीं था। तीनों उस जवान के पास पहुंचे। विवेक ने कहा,भैया, तुम बहुत शक्तिशाली हो। क्या तुम हमारा एक काम कर दोगे? यह लोहे की कील टेढ़ी हो गई है। इसे सीधा करना है। तुम इस हथौड़े से इसे सीधा बना दो। जवान ने हथौड़ा हाथ में लिया। कील को रेतीले टीले पर रखा। उस पर हथौड़े से एक जोरदार प्रहार किया। उस तेज प्रहार से खूब रेत उड़ी और सबकी आंखों में भर गई। कील भूमि के अंदर तक चली गई। विवेक ने बल से कहा,जब बल होता है, बुद्धि नहीं होती, तब यही स्थिति बनती है। बल और बुद्धि दोनों का अहंकार आहत हो उठा। विवेक ने कहा-बलवान वही है, जिसमें बल और बुद्धि दोनों हो। जब तक मनुष्य में अपने बल और बुद्धि का घमंड रहेगा, उस पर भगवान की कृपा नहीं होगी। उसके बल की समाप्ति के बाद ही, भगवान का बल प्रारंभ होता है। भगवान को भूलकर मनुष्य कितना ही बुद्धि का विकास कर ले और कितना ही बलशाली बन जाए, उसे अपने लक्ष्य में सफलता नहीं मिल सकती। प्रेम से पुकारने पर भगवान खुद ही दौड़े चले आते हैं। सुदामा जब बाल सखा से मिलने पहुंचे तो उनके मन में कई शंकाएं थीं।

राम नाम जपना, पराया माल अपना: अयोध्या में चोरी

यह चोरी सिर्फ नोटों की गड्डियों की नहीं है, यह असल में हम इंसानों के भरोसे और हमारी भक्ति की चोरी है। हम अक्सर बड़े चाव से गाते और सुनते हैं कि राम जी की मर्जी के बिना इस दुनिया में एक पत्ता भी नहीं हिलता, लेकिन हैरानी की बात है कि मंदिर के भीतर तीसरी आंख यानी सीसीटीवी कैमरों के कड़े पहरे में, भारी सुरक्षा तंत्र के बीच, करोड़ों रुपये हिल गए, गायब हो गए और वहां मौजूद जिम्मेदार लोगों को भनक तक नहीं लगी।

दिलीप कुमार पाठक

अयोध्या के राम मंदिर में चोरी हो गई है! जी हां, इस बार चोरों ने भगवान का सोने का मुकुट या गर्भगृह के आभूषण नहीं छुए, बल्कि सीधे श्रद्धालुओं के उस चढ़ावे और दान पर हाथ साफ कर दिया जिसे देश-दुनिया के लोगों ने अपनी अगाध श्रद्धा से अर्पित किया था। मंदिर के दानपात्रों से करोड़ों रुपये गायब होने की इस सनसनीखेज खबर ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर आनन-फानन में एसआईटी का गठन कर दिया गया है। लखनऊ के कमिश्नर की अगुवाई में जांच टीम अयोध्या के कोने-कोने को खंगाल रही है, संदिग्धों से पूछताछ हो रही है और सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। लेकिन आइए, पुलिसिया कार्रवाई से हटकर जरा इस सच्चाई को देखना जरूरी हो गया है। यह चोरी सिर्फ नोटों की गड्डियों की नहीं है, यह असल में हम इंसानों के भरोसे और हमारी भक्ति की चोरी है। हम अक्सर बड़े चाव से गाते और सुनते हैं कि राम जी की मर्जी के बिना इस दुनिया में एक पत्ता भी नहीं हिलता, लेकिन हैरानी की बात है कि मंदिर के भीतर तीसरी आंख यानी सीसीटीवी कैमरों के कड़े पहरे में, भारी सुरक्षा तंत्र के बीच, करोड़ों रुपये हिल गए, गायब हो गए और वहां मौजूद जिम्मेदार लोगों को भनक तक नहीं लगी।

सबसे बड़ा दुर्भाग्य तो उन लोगों पर है जो चौबीसों घंटे राम नाम की माला जपते हैं, दूसरों को ईमानदारी का पाठ पढ़ाते हैं, पर मौका मिलते ही इस घिनौने खेल में शामिल हो जाते हैं। जांच में पता चला है कि दान की रकम गिनने वाले कुछ सेवादारों के घरों से लाखों का कैश बरामद हुआ है। जो कर्मचारी कुछ महीने पहले तक बीस-पच्चीस हजार की मामूली नौकरी पर आए थे, वे आज करोड़ों की जमीनों के सौदे कर रहे हैं। इसे ही शायद कलयुग का राम नाम जपना, पराया माल अपना वाला चमत्कार कहते हैं। त्रिलोक के स्वामी की आंखों के सामने ऐसा दुस्साहस करने वालों को भगवान का जरा भी डर नहीं रहा। टीवी चैनलों पर चिल्ला-चिल्लाकर बहसें हो रही हैं कि चोर कौन है? लेकिन कोई यह नहीं पूछ रहा कि जिस पावन मंदिर के नाम पर देश के आम नागरिकों की भावनाओं को जोड़ा गया, वहां पैसे गिनने वाले हाथ इतने अपवित्र कैसे हो गए? क्या उन्हें इस बात का बिल्कुल अहसास नहीं था कि वे भगवान के घर में ही सेंध लगा रहे हैं? यह पूरी घटना हमारे समाज के उस पाखंड का सजीव आईना है, जहां हम पत्थरों की भव्यता और सोने की चमक में इतने अंधे हो चुके हैं कि धर्म के नाम पर चलने वाली दुकानों को देखना ही नहीं चाहते। हम वीआईपी पास लेकर गर्व से दर्शन तो करते हैं, लेकिन व्यवस्था के भीतर पनप रहे इस सड़ांध पर आंखें मूंद लेते हैं। अब एसआईटी अपनी रिपोर्ट सौंपेगी, कुछ मोहरे पकड़े जाएंगे और जेल जाएंगे।

लेकिन इस चोरी ने हर उस गरीब और सच्चे भक्त का दिल छलनी कर दिया है, जिसने भूखे पेट रहकर भी अपनी गाढ़ी कमाई का एक-एक रुपया रामलला के चरणों में अर्पित किया था। राम जी तो घट-घट वासी हैं, वे सब देख रहे हैं। वे शायद मन ही मन मुस्कुराते हुए सोच रहे होंगे कि यह इंसान भी कितना अजीब जीव है; मेरे ही नाम पर आलीशान महल बनाता है, पूरी दुनिया से चंदा मांगता है, और फिर मौका मिलते ही मेरी ही जेब काट लेता है।

शिक्षा में एक नये युग एवं शैक्षिक क्रांति की आहट

ललित गर्ग

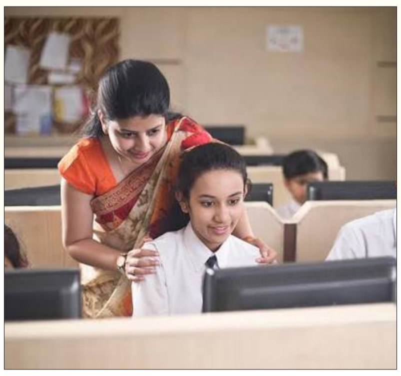

आज पूरी दुनिया शिक्षा के एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां ज्ञान का विस्तार तो अभूतपूर्व हुआ है, लेकिन जीवन मूल्यों का क्षरण भी उतनी ही तेजी से दिखाई देता है। विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को सुविधासंपन्न बनाया है, लेकिन मानसिक तनाव, हिंसा, प्रतिस्पर्धा, नैतिक संकट और मानवीय संवेदनाओं के क्षय जैसी चुनौतियां भी बढ़ी हैं। शिक्षा के क्षेत्र में यह प्रश्न लगातार गूंज रहा है कि क्या वर्तमान शिक्षा व्यवस्था वास्तव में मनुष्य का निर्माण कर रही है या केवल पेशेवर और उपभोक्तावादी समाज का निर्माण कर रही है? ऐसे समय में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा प्रारंभ की गई आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल की योजना एक नई आशा, नई दृष्टि और नए शैक्षणिक दर्शन के रूप में सामने आई है। यह केवल विद्यालयों की स्थापना की योजना नहीं है, बल्कि शिक्षा को उसके मूल उद्देश्य से जोड़ने का एक महाअभियान है। महासभा ने देशभर में लगभग सौ विद्यालयों की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान में राजस्थान के श्रीडूंगरगढ़, गंगाशहर और नोखा तथा गुजरात के भुज में विद्यालयों का निर्माण और शैक्षणिक गतिविधियां तीव्र गति से संचालित हैं। इन विद्यालयों की स्थापना के पीछे केवल आधुनिक शिक्षण संस्थान खड़े करने की भावना नहीं है, बल्कि ऐसी शिक्षा संस्कृति विकसित करने का संकल्प है जो ज्ञान के साथ संस्कार, विज्ञान के साथ विवेक और सफलता के साथ संवेदनशीलता का समन्वय स्थापित कर सके।

तेरापंथ धर्मसंघ की शिक्षा-दृष्टि सदैव व्यापक, मानवीय और दूरदर्शी रही है। इस परंपरा में शिक्षा को केवल रोजगार प्राप्ति का माध्यम नहीं माना गया, बल्कि व्यक्ति के समग्र विकास का आधार समझा गया है। तेरापंथ के आचार्यों ने समय-समय पर यह स्पष्ट किया कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य को भीतर से समृद्ध बनाना है। यदि शिक्षा केवल बुद्धि को विकसित करे और हृदय को उपेक्षित छोड़ दे, तो वह अधूरी शिक्षा है। यदि वह ज्ञान तो दे लेकिन चरित्र न बनाए, तो वह समाज के लिए संकट भी उत्पन्न कर सकती है। आचार्य श्री तुलसी ने इस आवश्यकता को बहुत पहले पहचान लिया था। उन्होंने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से नैतिकता को सामाजिक जीवन के केंद्र में स्थापित करने का प्रयास किया। उनका मानना था कि व्यक्ति, समाज और राष्ट्र का वास्तविक विकास नैतिक आधार पर ही संभव है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों को स्थापित करने के लिए नैतिक पाठमाला और नैतिक शिक्षा परीक्षाओं का अभिनव प्रयोग प्रारंभ किया। उस समय यह केवल एक शैक्षणिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन का अभियान था। लाखों विद्यार्थियों ने इन कार्यक्रमों के माध्यम से सत्य, अहिंसा, अनुशासन, संयम, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता जैसे मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा प्राप्त की।

टीसीएस की ट्रेड सीक्रेट मामले को लेकर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में याचिका खारिज, करीब 220 मिलियन डॉलर का हुआ नुकसान

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 16 जून ।**

टीसीएस की ट्रेड सीक्रेट मामले को लेकर दायर की गई याचिका को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की ओर से खारिज कर दिया गया है। इससे कंपनी को कुल 220 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। यह जानकारी कंपनी की ओर से एक्सचेंज फाइलिंग में मंगलवार को दी गई। सोमवार को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने टीसीएस की याचिका खारिज करते हुए डीएक्ससी टेक्नोलॉजी के पक्ष में 168 मिलियन डॉलर के हर्जाने के फैसले को बरकरार रखा।

फाइलिंग में टीसीएस ने कहा, 'हम आपको बताना चाहते हैं कि यूनाइटेड स्टेट्स सुप्रीम कोर्ट ने ऊपर बताए गए मामले में 15 जून, 2026 को यूनाइटेड स्टेट्स कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर द फिफ्थ सर्किट के फैसले की समीक्षा के लिए 'रिट ऑफ सर्टिओरारी' की हमारी याचिका को खारिज कर दिया है।'

कंपनी ने आगे कहा, 'अकाउंटिंग स्टैंडर्ड्स के अनुसार, इस मामले से जुड़ी राशि के लिए हमने अपने

अकाउंट्स में पहले ही 150 मिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रावधान कर दिया है। अब कंपनी नुकसान, ब्याज और कानूनी खर्च के लिए अतिरिक्त 70 मिलियन अमेरिकी डॉलर की राशि का प्रावधान करेगी, जिसे वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में एक बार होने वाले असाधारण खर्च के तौर पर दिखाया जाएगा।'

यह मामला 2019 में डलास की फेडरल कोर्ट में डीएक्ससी की पुरानी कंपनी, 'कंप्यूटर साइंसेज कॉर्पोरेशन' की ओर से दायर किए गए मुकदमे से जुड़ा है। इसमें टीसीएस पर आरोप लगाया गया था कि उसने एक दूसरी इंश्योरेंस कंपनी 'ट्रांसअमेरिका' के लगभग 2,200 कर्मचारियों को नौकरी पर रखा और एक प्रतिस्पर्धी लाइफ-इंश्योरेंस प्लेटफॉर्म बनाने के लिए उनकी अंदरूनी जानकारी का इस्तेमाल किया।

2023 में जूरी ने सुझाव दिया कि टीसीएस को जानबूझकर ट्रेड सीक्रेट्स चुराने के लिए 210 मिलियन डॉलर का भुगतान करना चाहिए, लेकिन यूएस डिस्ट्रिक्ट जज ब्रेंटली स्टार ने इसे घटाकर 168 मिलियन डॉलर कर दिया, जिसमें 56 मिलियन डॉलर हर्जाने के तौर पर और 112 मिलियन डॉलर दंडात्मक हर्जाने के तौर पर शामिल थे। फिफ्थ यूएस सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स ने 2025 में इस फैसले को बरकरार रखा। टीसीएस ने सुप्रीम कोर्ट में तर्क दिया कि डीएक्ससी को असल नुकसान साबित किए बिना 'अनुचित लाभ' का हर्जाना नहीं मिलना चाहिए था, और दंडात्मक हर्जाने की रकम बहुत अधिक है। हालांकि, इसे खारिज कर दिया गया।

केंद्र ने डीजल और एटीएफ के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स बढ़ाया, पेट्रोल पर शुल्क में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली, यूटर्न/ 16 जून । केंद्र सरकार ने मंगलवार से डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर विंडफॉल गेन टैक्स बढ़ा दिया है। हालांकि, पेट्रोल पर शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया है। विंडफॉल गेन टैक्स की समीक्षा हर 15 दिन में की जाती है और कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर भी इसका निर्धारण किया जाता है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी नोटिफिकेशन में कहा गया कि सरकार ने डीजल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) को बढ़ाकर 14 रुपए प्रति लीटर कर दिया है, जो कि पहले 13.5 रुपए प्रति लीटर था। वही, एटीएफ पर एसएईडी को बढ़ाकर 12.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया है, जो कि पहले 9.5 रुपए प्रति लीटर है। हालांकि, पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया गया है और इसे 1.5 रुपए प्रति लीटर पर जारी रखा गया है। सरकार ने घरेलू खपत के लिए उपयोग होने वाले पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया है और इससे घरेलू स्तर पर ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं होगा। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिला है। इसके कारण सरकार ने 26 मार्च को डीजल और एटीएफ के निर्यात पर शुल्क लगाने का फैसला किया था। 16 मई को पेट्रोल पर निर्यात शुल्क लगाया गया था। विंडफॉल टैक्स के जरिए सरकार की कोशिश घरेलू स्तर पर ईंधन की कीमतों को स्थिर रखना था।

संक्षिप्त खबरें

रुपया पांच पैसे बढ़कर 94.53 पर खुला

मुंबई, यूटर्न/ 16 जून । विदेशी मुद्रा बाजार में मंगलवार को भारतीय रुपये ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुरूआती कारोबार में अपनी पकड़ मजबूत की, वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट और पश्चिम एशिया में तनाव में कमी ने इसे सहारा दिया। मंगलवार के कारोबारी दिन अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये में हल्की तेजी दर्ज की गई। शुरूआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले 5 पैसे मजबूत होकर 94.53 के स्तर पर पहुंच गया। इस मजबूती के पीछे दो मुख्य कारक जिम्मेदार रहे: पहला, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई तेज गिरावट, जिससे आयात बिल कम होने की उम्मीद जगी। दूसरा, पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव में कमी आना, जिससे वैश्विक बाजार में स्थिरता का माहौल बना। रुपया सोमवार के कारोबारी सत्र में, भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 58 पैसे की मजबूती के साथ 94.60 पर बंद हुआ था।

डीजल, एटीएफ पर विंडफॉल टैक्स फिर बढ़ा

नई दिल्ली, यूटर्न/ 16 जून । केंद्र सरकार ने घरेलू बाजार में ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय कीमतों के अंतर का अनुचित लाभ उठाने से रोकने के उद्देश्य से डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स में वृद्धि की घोषणा की है। यह बढ़ी हुई दरें 16 जून से लागू हो गई हैं। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार डीजल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क को मौजूदा 13.5 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 14 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। वहीं एटीएफ के निर्यात पर यह शुल्क 9.5 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 12.5 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। हालांकि, पेट्रोल के निर्यात पर लगने वाले 1.5 रुपये प्रति लीटर शुल्क में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि घरेलू खपत के लिए बेचे जाने वाले पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिससे आम उपभोक्ताओं पर इसका सीधा असर नहीं पड़ेगा। यह निर्णय भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के मद्देनजर लिया गया है। सरकार ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बाद 26 मार्च को डीजल और एटीएफ के निर्यात पर पहली बार शुल्क लगाया था, जिसकी पखवाड़े समीक्षा की जाती रही है। विंडफॉल टैक्स का प्राथमिक मकसद यह सुनिश्चित करना है कि देश के भीतर ईंधन आपूर्ति प्रभावित न हो और निर्यातकों को बाजार की अस्थिरता का अनुचित लाभ न मिल सके।

अब बिना डॉक्टर की पर्ची नहीं मिलेगी कफ सिरप, केंद्र ने बदले नियम

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 16 जून ।**

केंद्र सरकार ने मंगलवार को ड्रग्स रूल्स, 1945 में संशोधन करते हुए कफ सिरप सहित सिरप आधारित दवाओं की बिना डॉक्टर की पर्ची (प्रिस्क्रिप्शन) के ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) बिक्री पर रोक लगा दी है।

यह फैसला सरकार द्वारा अनुसूची-के के तहत छूट प्राप्त दवाओं की श्रेणी से 'सिरप' शब्द हटाने के बाद लिया गया है, जिससे ऐसी दवाओं पर नियामकीय निगरानी और सख्त हो गई है। यह बदलाव ड्रग्स (पांचवां संशोधन) नियम, 2026 के तहत अधिसूचित किया गया है, जिसका उद्देश्य सिरप आधारित दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर बेहतर नियंत्रण सुनिश्चित करना है।

ड्रग्स रूल्स, 1945 की 'अनुसूची-के' में उन दवाओं की श्रेणियां शामिल हैं, जिन्हें कुछ शर्तों के साथ उनके निर्माण, बिक्री और वितरण से जुड़े कानूनों के कुछ प्रावधानों से छूट दी गई थी। ये छूट मूल रूप से कुछ विशेष परिस्थितियों में लोगों को दवाएं आसानी से उपलब्ध कराने के लिए दी गई थीं।

संशोधन से पहले यह प्रावधान था कि 1,000 से कम आबादी वाले गांवों में कफ सिरप को कुछ खुदरा बिक्री लाइसेंस नियमों का पालन किए बिना बेचा जा सकता था। लेकिन अब इस बदलाव के बाद यह छूट कफ सिरप पर लागू नहीं होगी। अब ऐसे गांवों में कफ सिरप की बिक्री और वितरण केवल विधिवत लाइसेंस प्राप्त फार्मेसी के माध्यम से ही किया जा सकेगा। इसके लिए ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 और ड्रग्स रूल्स, 1945 के प्रावधानों का पालन करना अनिवार्य होगा।

इसके अलावा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने कहा कि यह संशोधन सिरप आधारित दवाओं पर नियामकीय निगरानी को मजबूत करने और मौजूदा सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुरूप नियमों को बेहतर बनाने के लिए किया गया है।

मंत्रालय के अनुसार, इस कदम से कफ सिरप के जिम्मेदाराना वितरण और बिक्री को बढ़ावा मिलेगा तथा पूरे देश में नियामकीय मानकों का बेहतर पालन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

मंत्रालय ने कफ सिरप बनाने वाली कंपनियों, वितरकों और विक्रेताओं को भी सलाह दी है कि वे ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट और ड्रग्स रूल्स के तहत लागू सभी लाइसेंस और नियामकीय आवश्यकताओं का सख्ती से पालन करें।

इस बदलाव के बाद उपभोक्ताओं को ऐसी दवाएं खरीदने के लिए अब पंजीकृत चिकित्सा विशेषज्ञ द्वारा जारी वैध प्रिस्क्रिप्शन दिखाना होगा। यानी अब कफ सिरप खरीदने के लिए डॉक्टर की पर्ची जरूरी होगी।

भारत-फ्रांस टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्र में मजबूत सहयोग के तलाश रहे अवसर: गोयल

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 16 जून ।**

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और रणनीतिक क्षेत्रों में भारत-फ्रांस की साझेदारी को नई गति मिल रही है। साथ ही, उन्होंने फ्रांसीसी व्यवसायों और निवेशकों को भारत की विकास यात्रा में भागीदार बनने के लिए आमंत्रित किया। गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि उन्होंने जाने-माने वकील और आईआईटी दिल्ली बोर्ड के चेयरमैन हरीश साल्वे की ओर से आयोजित डिनर में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने भारत और फ्रांस के इंडस्ट्री लीडर्स, एकेडेमिया के सदस्यों, रिसर्चर्स और इनोवेटर्स के साथ बातचीत की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के नेतृत्व में भारत-फ्रांस संबंधों को नई गति मिली है और रणनीतिक, आर्थिक, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ रहा है। इसके अलावा, उन्होंने फ्रांस की कंपनियों और निवेशकों से भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनने और दोनों देशों के लिए अधिक समृद्ध और टिकाऊ भविष्य की दिशा में मिलकर काम करने का आग्रह किया। अपनी फ्रांस यात्रा के दौरान, गोयल ने यूरोप के सबसे बड़े साइंस और टेक्नोलॉजी हब, सोफिया एंटीपोलिस का दौरा किया। यह दौरा यूरोपीय बाजारों के साथ भारत के डीप-टेक जुड़ाव को मजबूत करने की कोशिशों का हिस्सा था।

रेजरपे का मेगा आईपीओ जल्द, 60,000 करोड़ की वैल्यूएशन पर होगी एंट्री!

गोपनीय तरीके से सेबी को सौंपा डीआरएचपी, भारतीय फिनटेक को मिलेगा नया बूस्ट

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 16 जून ।**

देश की प्रमुख फिनटेक कंपनियों में शुमार रेजरपे ने भारतीय शेयर बाजार में अपनी दमदार दस्तक देने की तैयारी कर ली है। कंपनी ने अपने प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास गोपनीय तरीके से ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) जमा कर दिया है। यह कदम कंपनी के लिए 5,000 करोड़ रुपये से 6,000 करोड़ रुपये जुटाने का मार्ग प्रशस्त करेगा, जिससे लिस्टिंग के बाद इसका वैल्यूएशन 50,000 करोड़ रुपये से 60,000 करोड़ रुपये के बीच पहुंचने का अनुमान है। रेजरपे की यह रणनीतिक तैयारी कई वर्षों से चल रही थी, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण कदम रिवर्स फ्लिप था। भारतीय शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के

उद्देश्य से कंपनी ने अपनी पैरेंट एंटिटी का हेड ऑफिस अमेरिका से भारत शिफ्ट कर लिया था। मई 2023 में इस प्रक्रिया की शुरूआत हुई और 2025 तक यह कॉरपोरेट ढांचा सफलतापूर्वक भारत में स्थानांतरित हो गया, जो स्टार्टअप जगत में एक दुर्लभ और दूरगामी कदम माना जाता है।

गोपनीय डीआरएचपी फाइलिंग के तहत रेजरपे अपने वित्तीय और कारोबारी विवरण सेबी को सौंप चुकी है, लेकिन यह जानकारी तुरंत सार्वजनिक नहीं की जाती। यह तरीका

> ☐ गोपनीय डीआरएचपी फाइलिंग के तहत रेजरपे अपने वित्तीय और कारोबारी विवरण सेबी को सौंप चुकी है, लेकिन यह जानकारी तुरंत सार्वजनिक नहीं की जाती।

कंपनियों को अपने संवेदनशील व्यावसायिक आंकड़ों को प्रतिस्पर्धियों से बचाने में मदद करता है, और हाल के वर्षों में कई बड़ी कंपनियां आईपीओ लाने से पहले इसी रास्ते का इस्तेमाल कर रही हैं।

यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब रेजरपे की प्रमुख प्रतिद्वंद्वी फिनटेक कंपनी फोनपे ने बाजार में बढ़ती अस्थिरता और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का हवाला देते हुए अपने आईपीओ की प्रक्रिया फिलहाल रोक दी है।

फोनपे लगभग 1.5 अरब डॉलर जुटाने और 15 अरब डॉलर के वैल्यूएशन पर लिस्ट होने की योजना बना रही थी, लेकिन मौजूदा बाजार परिस्थितियों ने उसके प्लान पर ब्रेक लगा दिया। पीक एक्सवी पार्टनर्स, टाइगर ग्लोबल, रिबिट कैपिटल, टीसीवी, मैट्रिक्स पार्टनर्स और लाइटस्पीड वेंचर पार्टनर्स जैसे बड़े वैश्विक निवेशकों का समर्थन प्राप्त रेजरपे का आईपीओ अगर सफल रहता है, तो यह भारतीय फिनटेक सेक्टर और देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए एक अहम मील का पत्थर साबित होगा।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

पति की हैवानियत: पत्नी की हत्या की, आठ घंटे तक उसके शव के साथ सोता रहा युवक; इस बात पर रातभर हुआ था झगड़ा

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 16 जून ।

दक्षिण-पूर्व जिले के कालिंदी कुंज थाना क्षेत्र में युवक ने अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी और फिर 12 घंटे से ज्यादा उसके शव के साथ सोता रहा। दोपहर में उसकी आंख खुली तो उसने पत्नी की मौत को खुदकुशी दिखाने की कोशिश की थी। मगर पुलिस के सामने उसकी चालाकी ज्यादा समय तक नहीं चली और कालिंदी कुंज थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पत्नी आरोपी को शराब पीने के लिए सिर्फ मना कर रही थी। पत्नी निशा प्रवीण की मौत को लेकर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हंगामा व थाने का घेराव किया। परिजनों ने निशा के साथ गैंगरेप करने व दूसरे समुदाय होने के कारण हत्या का आरोप लगाया था। अब पूरी की जांच पूरी हो गई है।

दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस अधिकारियों का कहना है कि परिजनों ने जो आरोप लगाए हैं वह सही नहीं पाए गए हैं। महिला के साथ किसी तरह का दुष्कर्म नहीं हुआ है और न ही मारपीट

हुई है। जिला पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ये घटना जैतपुर इलाके में पिछले सप्ताह सामने आई है।

फेज-2 जेजे कॉलोनी मदनपुर खादर निवासी निवासी अंकित (25) ने 23 अगस्त, 2025 को यहीं रहने वाली निशा (19) से प्रेम विवाह किया था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार पांच व छह जून की रात 10 बजे अंकित अपने दो दोस्तों के साथ बैठकर घर से बाहर शराब पी रहा था। निशा ने अंकित के पास जाकर शराब पीने से मना कर दिया। अंकित ने उसे कुछ देर में आने की बात कहकर वापस भेज दिया।

रातभर होता रहा झगड़ा

रात 12 बजे तक जब अंकित घर नहीं पहुंचा तो निशा फिर उसके पास गई। यहां पर निशा व अंकित में झगड़ा होने लगा। झगड़ा-झगड़ा करते दोनों घर पहुंच गए। यहां पर दोनों में रात भर झगड़ा होता रहा। रात करीब दो बजे उसने निशा का गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद उसके शव के साथ सो गया। हालांकि उसे नशे में पता था कि उसने निशा को मार दिया है।

दहाड़ मार-मार कर रोने का किया नाटक

अगले दिन दोपहर दो बजे उसकी आंख खुली। इसके बाद उसने निशा की मौत को खुदकुशी दिखाने का प्रयास किया। उसने पंखे में उसकी चुन्नी बांध दी और उसके बाद घर से बाहर आकर शोर मचाने लग गया कि उसकी पत्नी ने खुदकुशी कर ली है। उसने पत्नी को पंखे में लगे फांसी के फंदे से उतारा है। इसके बाद आरोपी दहाड़ मार-मार कर रोने लग गया।

एसडीएम जांच हुई

निशा की मौत की सूचना कालिंदी कुंज थाना पुलिस को दी गई। एसडीएम जांच भी की गई। इसके बाद पुलिस ने अंकित से कड़ाई से पूछताछ की तो उसने सच उगल दिया। इसके बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्जकर आरोपी अंकित को गिरफ्तार कर लिया। निशा के शव का पोस्टमार्टम करने वाले डाक्टरों ने पुलिस अधिकारियों को हत्या की ओर इशारा किया।

प्रमाणपत्रों को बनवाने में आधार की बाध्यता खत्म, जाति, आय और निवास प्रमाणपत्र बनवाना होगा आसान

नई दिल्ली, यूटर्न/ 16 जून । दिल्ली में जाति, आय, निवास और अन्य जरूरी सरकारी प्रमाणपत्र बनवाने की प्रक्रिया अब पहले से अधिक आसान होने जा रही है। दिल्ली सरकार के वित्त विभाग ने केंद्र सरकार और भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के नए आदेश को लागू कर दिया है। किए गए बदलाव से प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया में आधार से जुड़ी कई कानूनी जटिलताएं खत्म हो जाएंगी। दरअसल, वर्ष 2022 में एक नियम लागू किया गया था,

जिसके तहत सरकार की ओर से कम शुल्क पर जारी किए जाने वाले प्रमाणपत्रों को एक तरह की सरकारी सहायता या सब्सिडी माना गया था। इसके कारण आधार अधिनियम की धारा-7 के प्रावधान इन सेवाओं पर लागू हो गए थे और कई मामलों में आधार आधारित सत्यापन जरूरी हो गया था। इस व्यवस्था के चलते उन लोगों को परेशानी होती थी जिनके आधार में नाम, पता या अन्य विवरणों में त्रुटि होती थी। कई बार बायोमेट्रिक सत्यापन विफल होने, अंगूठे के निशान मेल न खाने या सर्वर संबंधी समस्याओं के कारण प्रमाणपत्र जारी होने में देरी होती थी।

अब क्या बदला है: यूआईडीएआई ने 14 मई को जारी आदेश में वर्ष 2022 के उस प्रावधान को वापस ले लिया है, जिसमें प्रमाणपत्र जारी करने को सब्सिडी की श्रेणी में रखा गया था। अब सरकार इन प्रमाणपत्रों को वित्तीय लाभ या सरकारी सहायता नहीं मानेगी। इसका सीधा असर यह होगा कि आधार अधिनियम की धारा-7 के कड़े प्रावधान इन सेवाओं पर लागू नहीं होंगे।

दिल्ली में किसे मिलेगा लाभ: दिल्ली सरकार ने यह आदेश एमसीडी, एनडीएमसी, दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड, दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) और सभी सरकारी विभागों को भेज दिया है। अब इन संस्थाओं में प्रमाणपत्र के लिए आवेदन करने वाले लोगों को आधार आधारित सत्यापन की बाधाओं का सामना कम करना पड़ेगा।

संक्षिप्त खबरें

बरसात से लोनी की टूटी सड़कों पर जलभराव

लोनी, यूटर्न/ 16 जून । भीषण गर्मी से बरसात होने पर लोनी वासियों को राहत की सांस मिली है, वहीं बारिश के बाद जलभराव की वजह से दिल्ली-सहारनपुर मार्ग और गाजियाबाद मार्ग पर राहगीरों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ा। पहले से इन मार्गों पर चल रहे सीवर लाइन डालने और सड़क निर्माण कार्य की वजह से जाम की दिक्कत से भी लोग जूझे। वहीं कॉलोनियों में जलभराव की समस्या ने लोगों की दिक्कत और बढ़ा दी है। रविवार सुबह से हुई तेज बारिश के साथ ही एक बार फिर मौसम में नमी आई। तपिश से लोगों को राहत मिली, लेकिन जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ा। दिल्ली-सहारनपुर मार्ग व लोनी गाजियाबाद मार्ग पर लोग घंटों जाम में फंसे रहे। स्थानीय निवासी मुरारी लाल ने बताया कि नाला सफाई का काम पूरा न होने की वजह से गलियों तक में पानी भर गया। लोगों को घरों तक पहुंचने के लिए गंदे पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ा। शहर के कई मुख्य मार्गों पर आवागमन कई घंटे बाधित रहा।

बाजार से लौट रहे युवक के गले से चेन खींची

साहिबाबाद, यूटर्न/ 16 जून । शालीमार गार्डन थानाक्षेत्र के राजेंद्र नगर निवासी यतेंद्र कुमार के गले से बाइक सवार सोने की चेन खींचकर भाग गया। वारदात 11 जून को हुई, पुलिस ने 14 जून को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। दर्ज हुए मामले में यतेंद्र कुमार ने बताया कि वह बृहस्पतिवार रात करीब 10 बजे पत्नी के साथ शालीमार गार्डन से खरीदारी करके वापस लौट रहे थे। ब्लॉक संख्या 11 के गेट नंबर 3 के सामने एक बाइक सवार उनके गले से सोने की चेन खींच ले गया। उन्होंने तुरंत करन गेट पुलिस चौकी पहुंचकर घटना की सूचना दी। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

एक साल से सड़क किनारे पड़े पाइप हटाए जाएंगे

फरीदाबाद, यूटर्न/ 16 जून । सेक्टर-9 और 10 की डिवाइडिंग रोड के किनारे पिछले करीब एक वर्ष से पड़े बड़े पाइपों को हटाने के लिए नगर निगम ने तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी है। महापौर प्रवीण बत्रा जोशी की अध्यक्षता में आयोजित जनसुनवाई शिविर में स्थानीय निवासियों और पार्षद मुकेश अग्रवाल ने यह मुद्दा उठाया था, जिसके बाद निगम प्रशासन हरकत में आया।

सूदखोरों ने 50 हजार के बनाए 1.90 लाख: हर दिन का 3500 रुपये मांगते थे ब्याज, ऑटो चालक ने फंदा लगाकर दी जान

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 16 जून ।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के जाफराबाद इलाके में ब्याजखोरी और कर्ज से परेशान एक ऑटो चालक ने फंदा लगा लिया। मृतक की शिनाख्त सुंदर लाल (48) के रूप में हुई है। दरअसल सुंदरलाल ने दो लोगों से 30 और 20 हजार रुपये ब्याज पर उधार लिए थे। आरोप है कि इन लोगों ने ब्याज के 1.20 लाख और 70 हजार रुपये बना दिए।

रोजाना आरोपी पीड़ित पर कर्ज की रकम चुकाने का दबाव बना रहे थे। इससे परेशान होकर सुंदरलाल ने मौत को गले लगा लिया। आत्महत्या करने से पूर्व सुंदरलाल ने अपने मोबाइल से एक वीडियो बनाया और अंकुर व राहुल नामक दोनों आरोपियों को अपनी मौत का

जिम्मेदार बताकर फंदे से झूल गया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश कर रही है। परिवार से पूछताछ कर जाफराबाद थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई करने की बात की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक सुंदर लाल अपने परिवार के साथ गली नंबर-6, मौजपुर में रहते थे। इनके परिवार में पत्नी सोनिया के अलावा एक शादीशुदा बेटी है। सुंदर लाल पेशे से ऑटो चालक थे। वह रात में कश्मीरी गेट आईएसबीटी के पास ऑटो चलाते थे।

रोजाना वह रात 10 बजे के बाद ऑटो लेकर निकल जाते थे। रात को अकेले हो जाने की वजह से सुंदर की पत्नी पास में रहने वाले अपने भाई के यहां रात में रुकने के लिए चली जाती थीं, सवेरा होते ही वह दोबारा वापस आ जाती थीं। 10 जून की रात को वह पति के जाने से पहले ही अपने भाई के घर चली गईं। इस बीच सवेरे जब वह वापस आईं तो उन्होंने पति को घर के जाल से फंदे पर लटके देखा।

राहुल व अंकुर घटना के बाद घर छोड़कर भागे: वीडियो में सुंदर लाल ने बताया कि उन्होंने राहुल से 30 हजार रुपये ब्याज पर उधार लिए थे। दोनों भी भाग गए हैं। आरोपी ने कुछ ही दिनों में इन रुपयों को एक लाख 20 हजार बना दिया। आरोपी ने पीड़ित पर रोजाना 2000 रुपये देने का दबाव बनाया। इसी तरह अंकुर से 20 हजार रुपये उधार लिए थे। अंकुर ने इन रुपयों को 70 हजार बना दिए और वह रोजाना 1500 रुपये की डिमांड करने लगा। एक दिन में 3500 रुपये न चुका पाने की वजह से वह परेशान हो गया था। वीडियो में उसने दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी सजा की मांग की।

दिल्लीजैसे हुई थी भाई की हत्या, वैसा ही चाकू से वार कर बदला लिया सरका

» लोनी, यूटर्न/ 16 जून ।

अशोक विहार कॉलोनी निवासी सैलून संचालक तस्लीम की हत्या के मामले में सोमवार को पुलिस ने दो आरोपियों गिरफ्तार किए। आरोपी कॉलोनी के ही रहने वाले साबिर और आमीन हैं। साबिर मूलरूप से एटा जिला स्थित अलीगंज के रहने वाले हैं। दोनों ने पूछताछ में तस्लीम की हत्या करने की बात स्वीकारी है। साबिर ने डेढ़ वर्ष पहले अपने भाई युनुस की हत्या का बदला लेने के लिए तस्लीम को मौत के घाट उतारने की बात कही है। पूछताछ के बाद कोर्ट के आदेश से दोनों को जेल भेज दिया गया है।

एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि अशोक विहार कॉलोनी में 10 जून को सैलून संचालक तस्लीम उर्फ चीना की हत्या कर दी गई थी। वह हत्या के आरोप में जेल की सजा काट रहा था और करीब पांच माह पूर्व ही जमानत पर बाहर आया था। 11 जून को उसके पिता असगर ने फैजल, शेरुद्दीन, आमिर व अयान के खिलाफ हत्या की धारा में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। एसीपी ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस कॉलोनी के रहने वाले साबिर को

गिरफ्तार किया। पूछताछ में साबिर ने पुलिस को बताया कि करीब डेढ़ वर्ष पहले उसके भाई युनुस की तस्लीम ने चाकू से गोदकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने तस्लीम और उसके साथी को जेल भेज दिया था। बताया कि इस पूरे मामले में उसका फुफेरा भाई शेहरुद्दीन गवाह था। जमानत पर जेल से आने के बाद तस्लीम सोशल मीडिया पर स्टेट्स लगाकर शेरुद्दीन को गवाही देने पर जान से मारने की धमकी दे रहा था। साबिर पहले तो अपने भाई की हत्या से नाराज था फिर धमकियां भी मिलने लगीं। आरोपी ने पुलिस को बताया कि इसी रंजिश में आकर उसने अपने साथियों के साथ मिलकर तस्लीम की उसी तरह हत्या की जैसे उसने युनुस को मौत के घाट उतारा था। एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि बाकी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

पेयजल समस्या दूर करने और अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए

फरीदाबाद, यूटर्न/ 16 जून । सोमवार को नगर निगम मुख्यालय में जनसुनवाई शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता महापौर प्रवीन बत्रा जोशी ने की। इस मौके पर पेयजल संकट, लंबित सड़क निर्माण, और ग्रीन बेल्ट से अतिक्रमण हटने के निर्देश दिए गए। महापौर ने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों की शिकायतों के समाधान के लिए मौके पर निरीक्षण कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

शिविर में निगमायुक्त धीरेंद्र खड़गटा और निगम सचिव अमित मान भी मौजूद रहे। विभिन्न विभागों के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिविर से जुड़े। इस दौरान कुल 44 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिन पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

शिविर में वार्ड-19 स्थित सैनिक कॉलोनी के एच-

ब्लॉक से पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने की शिकायत प्रमुखता से उठी। इस पर निगमायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने अतिरिक्त निगम आयुक्त सलोनी शर्मा और अधीक्षण अभियंता ओमवीर सिंह को मौके का निरीक्षण कर जल्द समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा वार्ड-16 में लंबित सड़क निर्माण और अन्य विकास कार्यों को तत्काल शुरू करने को कहा गया।

दो साल की उम्र में भी नहीं बोल पा रहे बच्चे

फरीदाबाद, यूटर्न/ 16 जून । जिला नागरिक अस्पताल में छोटे बच्चों में बोलने की समस्या के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। अस्पताल में प्रतिदिन करीब 10 बच्चे स्पीच थेरेपी के लिए पहुंच रहे हैं। इनमें कई बच्चे ऐसे हैं जो दो साल की उम्र पूरी होने के बाद भी स्पष्ट रूप से बोलना शुरू नहीं कर पाए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सामान्य तौर पर दो साल की उम्र तक बच्चे करीब 50 शब्द बोलने लगते हैं और छोटे-छोटे वाक्यों का प्रयोग भी शुरू कर देते हैं। ऐसे में बोलने में देरी अभिभावकों के लिए चिंता का विषय हो सकती है।

अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचीं अनीता चौहान ने बताया कि उनका बेटा आयुष जल्द ही दो साल का होने वाला है, लेकिन वह अभी तक बोलने की कोशिश भी नहीं करता। उन्होंने कहा कि पड़ोसियों से जानकारी मिलने के बाद उन्हें पता चला कि इस समस्या का इलाज और स्पीच थेरेपी भी होती है। इसके बाद वह बेटे को लेकर अस्पताल पहुंचीं, जहां उसकी थेरेपी शुरू कराई गई। वहीं मोहिनी अस्थाना ने बताया कि उनकी बेटी डेढ़ साल से अधिक उम्र की हो चुकी है, लेकिन वह बोलने का प्रयास नहीं करती थी। पहले उन्हें स्पीच थेरेपी के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

यूटर्न टाइम THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

42 की उम्र में मां बनेगी करिश्मा तन्ना

टीवी इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना चुकी अभिनेत्री करिश्मा तन्ना इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। 42 साल की उम्र में करिश्मा मां बनने जा रही हैं और इस बात की खुशी उनके चेहरे पर साफ दिखाई दे रही है। वह आए दिन सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए अपने फैन्स को अपडेट देती रहती हैं। हाल ही में करिश्मा तन्ना की कुछ बेहद ग्लैमरस तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिनमें उन्होंने व्हाइट गाउन पहनकर बेबी बंप के साथ फोटोशूट करवाया है। बता दें कि करिश्मा ने एक बार नहीं बल्कि तीन बार बेबी शावर का फंक्शन किया है, जो उनके उत्साह को दर्शाता है। कुछ दिनों पहले हुए गोद भराई के फंक्शन में करिश्मा ने खुद को पारंपरिक अंदाज में तैयार किया था, लेकिन इस बार उन्होंने अपना लुक काफी आधुनिक रखा। इन तस्वीरों में करिश्मा तन्ना ने सफेद रंग की गाउन पहनी हुई है और उनमें उनका प्रेग्नेंसी ग्लो साफ नजर आ रहा है। करिश्मा तन्ना का यह लुक बेहद सॉफ्ट और रॉयल अंदाज में दिखाई दे रहा है।

हुनर हाली ने बयां किया दर्द

टीवी की जानी-मानी अभिनेत्री हुनर हाली इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से काफी सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी शादी और तलाक से जुड़े अनुभव साझा करते हुए बताया कि एक फैसले ने उनकी पूरी जिंदगी बदल दी। हुनर ने कहा कि नौ साल पुराने रिश्ते के खत्म होने के बाद उन्हें ऐसा लगा जैसे उनकी दुनिया ही बिखर गई हो। उनके मुताबिक, इस रिश्ते के टूटने का असर सिर्फ उनकी शादी पर नहीं बल्कि उनकी पूरी जिंदगी पर पड़ा है। हुनर हाली और मयंक गांधी को 9 जून को कानूनी रूप से तलाक मिल गया, जिसके साथ ही उनकी नौ साल की वैवाहिक यात्रा समाप्त हो गई। अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि यह दौर उनके लिए बेहद मुश्किल रहा है और अब भी वह इस भावनात्मक झटके से उबरने की कोशिश कर रही हैं। हुनर ने बताया कि 2016 में मयंक और उनकी शादी हुई थी। नौ साल तक साथ रहने के बाद, 2025 में उन्होंने तलाक का केस फाइल किया। हुनर के लिए यह फैसला लेना बेहद मुश्किल था, क्योंकि किसी से अलग होना सिर्फ उस व्यक्ति से दूर होना नहीं होता, बल्कि उन तमाम सपनों और यादों को पीछे छोड़ना होता है, जो दोनों ने अपने भविष्य के लिए सोचे थे।

शरणार्थी शिविर से फीफा विश्वकप तक पहुंचे नेस्टोरी

मियामी, यूटर्न/ 16 जून। फीफा विश्वकप फुटबॉल में इस बार ऑस्ट्रेलियाई टीम को पहले ही मुकाबले में जीत दिलाने वाले खिलाड़ी नेस्टोरी इरानकुंडा हीरो बनकर उभरे हैं। तुर्किये के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 27वें मिनट में शानदार गोल दागकर उन्होंने न केवल अपनी टीम को शुरूआती बढ़त दिलाई, बल्कि 20 वर्ष और 125 दिन की उम्र में विश्व कप में गोल करने वाले सबसे युवा ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बनने की भी उपलब्धि अपने नाम की है। नेस्टोरी का यहां तक का सफर बेहद कठिन रहा है। तंजानिया के एक शरणार्थी शिविर में जन्मे नेस्टोरी के माता-पिता को बुरुंडी में गृहयुद्ध के कारण अपना देश छोड़ना पड़ा था और शरण लेने के लिए तंजानिया पहुंचना पड़ा था। इसी दौरान नेस्टोरी का जन्म हुआ। बचपन में ही उनका परिवार ऑस्ट्रेलिया चला आया, जिसने उनकी जिंदगी को एक नया मोड़ दिया। यहीं पर नेस्टोरी ने फुटबॉल खेलना शुरू किया और धीरे-धीरे अपनी असाधारण प्रतिभा से सबका ध्यान खींचा। एडिलेड यूनाइटेड के लिए खेलते हुए उन्होंने घरेलू फुटबॉल में अपनी पहचान बनाई, अपनी गति, तकनीक और आक्रामक खेल से ऑस्ट्रेलिया के सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में शामिल हो गये। साल 2024 में जर्मनी के दिग्गज क्लब बायर्न म्यूनिख ने इस फुटबॉलर को अवसर दिया हालांकि जर्मनी में चीजें उम्मीद के मुताबिक नहीं रहीं। उन्होंने क्लब की दूसरी टीम के लिए कई मुकाबले खेले, पर वरिष्ठ टीम में उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिल पाया। विश्व कप 2026 को ध्यान में रखते हुए, नेस्टोरी को नियमित खेल समय की आवश्यकता थी, जिससे उन्हें अपने भविष्य को लेकर चिंता होने लगी।

हार्दिक के अच्छे विकल्प हो सकते हैं नितीश : रैना

मुम्बई, यूटर्न/ 16 जून। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा है कि युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी आगामी 2027 एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए चोटिल ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के एक अच्छे विकल्प हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि नितीश का वर्तमान समय में अच्छा प्रदर्शन रहा है। ऐसे में वह हार्दिक के अच्छे विकल्प बनने की योग्यता रखते हैं। साथ ही कहा कि चयन समिति को अन्य विकल्प भी देखने चाहिये। इसका कारण है कि हार्दिक कई बार चोटिल होते रहते हैं। रैना ने कहा कि पंड्या की बार-बार होने वाली चोटें चिंता का विषय हैं और 2027 विश्व कप से पहले भारत को उनका एक भरोसेमंद विकल्प ढूंढना अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करना चाहिए। रैना ने नितीश को एक अच्छे विकल्प के रूप में पेश किया, यह बताते हुए कि इस युवा ऑलराउंडर ने अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में उल्लेखनीय सुधार किया है। उन्होंने विस्तार से बताया, उनकी बल्लेबाजी और मजबूत हुई है। आईपीएल में उन्होंने अच्छी गति और नियंत्रण के साथ गेंदबाजी की और उनकी फिटनेस भी अच्छी रही है।

चारमीनार पर शूटिंग के दौरान नजर आई हंसिका मोटवानी

एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी को हैदराबाद के मशहूर चारमीनार के पास शूटिंग करते हुए देखा गया और इस वीडियो ने फैंस के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। इंस्टाग्राम यूजर Charminarvlogger26c द्वारा शेयर की गई एक रील में हंसिका को चारमीनार लोकेशन पर ट्रेडिशनल लुक में देखा जा सकता है, जहाँ उनके आस-पास क्रू मेंबर्स और देखने वाले लोग मौजूद हैं। हालांकि प्रोजेक्ट के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है, लेकिन फैंस सोच रहे हैं कि क्या एक्ट्रेस स्क्रीन पर कुछ नया करने की तैयारी कर रही हैं। इस चर्चा को और बढ़ाते हुए, एक्टर जे. डी. चक्रवर्ती को भी उसी शूट लोकेशन पर देखा गया। उनकी मौजूदगी ने फैंस की उत्सुकता और बढ़ा दी है कि क्या ये दोनों एक्टर्स किसी आने वाली फिल्म, वेब सीरीज या किसी स्पेशल अपीयरेंस का हिस्सा हैं। हंसिका मोटवानी ने तेलुगु और तमिल सिनेमा में एक सफल करियर बनाया है और कई कमर्शियली सफल फिल्मों में काम किया है। उन्होंने 'देसमुदुरू' जैसी फिल्मों से अपनी मजबूत छाप छोड़ी और साउथ फिल्म इंडस्ट्री की लोकप्रिय एक्ट्रेस में से एक बन गईं। अपनी स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जानी जाने वाली हंसिका ने कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया है और ग्लैमरस व परफॉर्मेंस-ओरिएंटेड किरदारों के बीच संतुलन बनाने के लिए पहचान बनाई है। जे. डी. चक्रवर्ती का भी तेलुगु सिनेमा से गहरा नाता है और वे उन दर्शकों के लिए एक जाना-माना चेहरा हैं जिन्होंने सालों से उनके काम को देखा है। चारमीनार शूट लोकेशन पर उनकी मौजूदगी ने इस प्रोजेक्ट से जुड़ी अटकलों को और बढ़ा दिया है। हाल के समय में फैंस ने हंसिका को तेलुगु फिल्मों में ज्यादा नहीं देखा है, इसलिए चारमीनार में उनके दिखने की खबर ने काफी चर्चा पैदा कर दी है। कई लोग उम्मीद कर रहे हैं कि लंबे समय के बाद उनके पास कुछ रोमांचक प्रोजेक्ट आने वाला है।

मिथुन चक्रवर्ती की बेटी दिशानी की हुई सगाई, 6 दिसंबर को होगी शादी

मशहूर एक्टर और नेता मिथुन चक्रवर्ती की बेटी दिशानी चक्रवर्ती की सगाई उनके बॉयफ्रेंड माइल्स मैंटजारिस से हो गई है और वे 6 दिसंबर 2026 को शादी करेंगी। इंस्टाग्राम बायो के अनुसार, माइल्स एक स्टेडीकैम ऑपरेटर और कलरलिस्ट हैं। दिशानी ने एक जॉइंट पोस्ट में प्रपोजल के समय की कई तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में माइल्स घुटनों के बल बैठकर दिशानी को प्रपोज करते हुए दिख रहे हैं। एक और तस्वीर में 'डिस्को डांसर' स्टार की बेटी अपनी उंगली में बड़ी सी अंगूठी दिखाती हुई नजर आईं। आखिरी तस्वीर में कपल एक-दूसरे को प्यार से किस करते हुए दिख रहा है। कैप्शन में दिशानी ने लिखा: '6.12.2026.. हमेशा साथ रहने का सबसे आसान फैसला, जो मैंने कभी लिया है।' इस पोस्ट को एक्ट्रेस सेलिना जेटली ने भी लाइक किया है।

संक्षिप्त खबरें

अमेरिकी बी-52 बॉम्बर विमान उड़ान भरने के बाद दुर्घटनाग्रस्त, आठ लोगों की मौत

वॉशिंगटन, यूटर्न/ 16 जून । कैलिफोर्निया के एडवर्ड्स हवाई क्षेत्र से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद अमेरिकी वायु सेना का बी-52 बॉम्बर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बेस ने यह भी पुष्टि किया कि बी-52 बॉम्बर के चालक दल के आठ सदस्यों के मारे जाने की आशंका है। यह जानकारी एडवर्ड्स वायु सेना बेस ने दी। बेस ने एक बयान में कहा, 'आठ लोगों को लेकर जा रहा वायु सेना का बी-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस विमान, एक रूटीन मिशन के दौरान आज सुबह 11:20 बजे पीडीटी (भारतीय समयानुसार सोमवार रात 11:50 बजे) उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। शुरूआती संकेतों से पता चलता है कि इस हादसे में किसी के बचने की उम्मीद नहीं है। आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम मौके पर मौजूद है और अधिकारी सभी लोगों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।' बेस ने बताया कि हवाई क्षेत्र बंद कर दिया गया और आने वाले सभी विमानों का रास्ता बदला जा रहा था। बयान में कहा गया, 'अगले आदेश तक सभी गैर-व्यावसायिक विज़िटर पास निरस्त कर दिए गए हैं, ताकि संस्थान पूरी तरह से आपातकालीन प्रतिक्रिया कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर सके।' अमेरिकी मीडिया ने दुर्घटना के वीडियो जारी किए हैं, जिनमें जमीन का एक बड़ा हिस्सा जला हुआ दिख रहा है, विमान का मलबा मुश्किल से ही नजर आ रहा है और कुछ जगहों पर धुआं उठ रहा है। बयान के मुताबिक, दुर्घटना की जांच की जा रही है।

लेबनान खुश है, ईरान राहत महसूस कर रहा है, इजरायल निराश

तेहरान, यूटर्न/ 16 जून । अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध समाप्त करने के लिए हुए समझौते का पश्चिम एशिया में दूरगामी और मिला-जुला असर देखने को मिल रहा है। जहाँ लेबनान में इस ऐतिहासिक कदम का गर्मजोशी से स्वागत किया गया है, वहीं उत्तरी इजराइल के सीमावर्ती समुदायों में इसे लेकर गहरी निराशा और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ व्याप्त हैं। दूसरी ओर, ईरान में आम लोगों के बीच युद्ध की समाप्ति से जुड़ी राहत और एक बेहतर भविष्य की उम्मीद स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। यह समझौता क्षेत्र के जटिल भू-राजनीतिक समीकरणों में नई परतें जोड़ता दिख रहा है। उत्तरी इजराइल में बढ़ी निराशा और चिंता उत्तरी इजराइल में सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले निवासियों का मानना है कि यह समझौता उन्हें लेबनान स्थित हिजबुल्लाह से लगातार मिलने वाले सुरक्षा खतरों से पर्याप्त सुरक्षा प्रदान नहीं करता।

मैं नहीं होता तो इजरायल तबाह हो चुका होता, लेबनान पर जिम्मेदारी से काम लें नेतन्याहू : ट्रंप

» **एवियन, यूटर्न/ 16 जून ।**

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को एवियन में कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी संग संयुक्त प्रेस वार्ता की। इस दौरान, इजरायल, लेबनान और ईरान से जुड़े मुद्दों पर कड़ा बयान दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि अगर वो न होते तो इजरायल तबाह हो चुका होता।

विभिन्न वैश्विक मुद्दों को लेकर थानी और ट्रंप के बीच बातचीत की। जी7 सम्मेलन से इतर ट्रंप ने अमीर से द्विपक्षीय बातचीत की। मुश्किल घड़ी में सयंम से काम करने के लिए प्रशंसा की और अमेरिका के लिए उन्हें अहम बताया।

इस दौरान, ट्रंप ने इजराय, नेतन्याहू, ईरान समझौते और लेबनान को लेकर अपनी राय जाहिर की। उन्होंने कहा, 'इजरायल का अस्तित्व और उसकी सुरक्षा में अमेरिका की भूमिका निर्णायक रही है। उनके नेतृत्व के बिना इजरायल की स्थिति कमजोर हो सकती थी, क्योंकि अन्य कोई राष्ट्रपति वह कदम उठाने को तैयार नहीं था जो उन्होंने उठाए।'

बीबी (इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू) के साथ अपने संबंधों को 'बेहद अच्छा' बताया, लेकिन साथ ही कहा कि अब उन्हें 'लेबनान के संदर्भ में अधिक जिम्मेदारी से काम करना चाहिए।'

लेबनान की स्थिति पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा, ' यह देश पहले शिक्षकों, डॉक्टरों और वकीलों के लिए जाना जाता था, लेकिन अब इसकी स्थिति काफी खराब हो चुकी है।'

ट्रंप ने कहा, 'इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच संघर्ष बहुत लंबे समय से चल रहा है और इसमें बहुत अधिक लोगों की जान जा रही है। किसी एक व्यक्ति को निशाना बनाने के लिए हर बार पूरी इमारत को गिराना उचित नहीं है, क्योंकि उन इमारतों में कई निर्दोष लोग भी रहते हैं, जो हिज्बुल्लाह से जुड़े नहीं हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने इजरायल को सुझाव दिया था कि हिज्बुल्लाह से निपटने की जिम्मेदारी सीरिया को दी जाए, और उनका मानना है कि 'सीरिया शायद यह काम बेहतर तरीके से कर सकता है।'

लेबनान और हिज्बुल्लाह के खिलाफ कार्रवाई की गति पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह संघर्ष बहुत लंबा खिंच रहा है। उनके अनुसार, इस देरी से व्यापक क्षेत्रीय समझौते और खासकर ईरान के साथ चल रही बातचीत पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

हालांकि ये भी माना कि ईरान के मुकाबले लेबनान का संघर्ष छोटा मामला है। ट्रंप के अनुसार, लेबनान से जुड़े मुद्दों पर उनका इजरायल के साथ 'बेहद मजबूत और सकारात्मक संबंध' रहा है, लेकिन उनका मानना है कि यदि वे हस्तक्षेप न करते, तो इजरायल पहले ही तबाह हो सकता था।

भारतीय-अमेरिकी लॉमेकर्स ने टेक्सास में भारत-विरोधी हरकत की निंदा की

» **वॉशिंगटन, यूटर्न/ 16 जून ।**

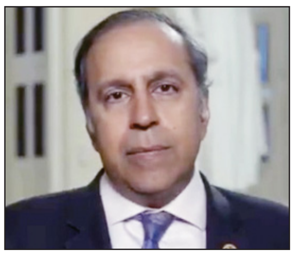

अमेरिकी कांग्रेस के छह भारतीय-अमेरिकी सदस्यों ने टेक्सास के फ्रिस्को सिटी हॉल के बाहर इमिग्रेशन से जुड़े एक विरोध प्रदर्शन के दौरान भारतीय झंडा फाड़े जाने की कड़ी निंदा की है। साथ ही, जेनोफोबिया (विदेशियों के प्रति नफरत) और भारत-विरोधी बयानों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच उन्होंने भारतीय-अमेरिकी समुदाय के साथ एकजुटता भी जताई है।

भारत-विरोधी नारों और बयानों वाले एक विरोध प्रदर्शन के दौरान जब एक प्रदर्शनकारी ने भारतीय झंडा फाड़ दिया, तो प्रतिनिधि राजा कृष्णमूर्ति, अमी बेरा, प्रमिला जयपाल, रो खन्ना, श्री थानेदार और सुहास सुब्रमण्यम ने एक संयुक्त बयान जारी किया। इस घटना ने सोशल मीडिया पर काफी ध्यान खींचा और पूरे अमेरिका में भारतीय-अमेरिकियों की तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आईं। लॉमेकर्स ने कहा, 'हम सभी अमेरिकियों के अभिव्यक्ति की आजादी के संवैधानिक अधिकार का पुरजोर समर्थन करते हैं। साथ ही, हम फ्रिस्को सिटी हॉल के बाहर भारत-विरोधी नफरत भरे बयानों के साथ भारतीय झंडा फाड़े जाने की निंदा करते हैं, क्योंकि ऐसी हरकतें भारत-विरोधी हिंसा और जेनोफोबिया को बढ़ावा देती हैं। किसी भी समुदाय को निशाना बनाकर नफरत और डराने-धमकाने वाली हरकतें अस्वीकार्य हैं और हमारे देश में इनके लिए कोई जगह नहीं है।'

बयान में आगे कहा, 'भारतीय-अमेरिकी समुदाय हमारे देश का एक अहम हिस्सा है और उन्हें सुरक्षित और सम्मानित महसूस करने का हक है। जब भारतीय-अमेरिकियों और दक्षिण एशियाई-अमेरिकियों को उत्पीड़न, जेनोफोबिया (विदेशियों के प्रति नफरत) और नफरत भरी बातों का सामना करना पड़ता है, तो नेताओं को साफ तौर पर कहना चाहिए कि किसी भी समुदाय को नफरत का निशाना बनाने को बर्दाश्त या नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।'

भारत और स्लोवाकिया ने संबंधों को व्यापक साझेदारी तक बढ़ाया : विदेश मंत्रालय

» **ब्रातिस्लावा, यूटर्न/ 16 जून ।**

भारत और स्लोवाकिया ने अपने आपसी संबधों को 'व्यापक साझेदारी' का दर्जा दिया। विदेश मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ब्रातिस्लावा का ऐतिहासिक दौरा अलग-अलग क्षेत्रों में सहयोग को नई रफ्तार देगा। वर्ष 1993 में स्लोवाकिया की स्वतंत्रता के बाद से किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली ऐतिहासिक यात्रा है, जिसके दौरान दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को एक नई ऊंचाई मिली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐतिहासिक ब्रातिस्लावा कैसल में अपने स्लोवाक समकक्ष प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की व्यापक वार्ता की। इसके बाद, दोनों नेताओं की उपस्थिति में 11 समझौतों और समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान हुआ। ब्रातिस्लावा में मीडिया को जानकारी देते हुए विदेश सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने बेहतर संबंधों की बदलाव लाने की क्षमता पर जोर देते हुए कहा कि यह दौरा यूरोपीय देश के साथ संबंधों को मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता को सुनिश्चित करता है।

सिबी जॉर्ज ने मीडिया से कहा, 'यह दौरा स्लोवाकिया के साथ संबंधों को मजबूत करने के भारत की प्रतिबद्धता को सुनिश्चित करता है और अलग-अलग क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को नई रफ्तार देगा। संबंधों को एक व्यापक साझेदारी तक ले जाने से द्विपक्षीय संबंध एक नए स्तर पर पहुंचेंगे, मौजूदा सहयोग सिस्टम मजबूत होंगे और द्विपक्षीय और बहुपक्षीय, दोनों तरह से सहयोग को गहरा करने के नए रास्ते तलाशेंगे।' विदेश सचिव पश्चिम ने कई उच्च-स्तरीय बैठकों के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि इन बैठकों में प्रधानमंत्री मोदी की स्लोवाक राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी के साथ प्रेसिडेंशियल पैलेस में मीटिंग भी शामिल थी। यहां प्रधानमंत्री मोदी को स्लोवाकिया का सबसे बड़ा नागरिक सम्मान, ऑर्डर ऑफ द व्हाइट डबल क्रॉस (फर्स्ट क्लास) दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी और उनके समकक्ष ने भारत और स्लोवाक रिपब्लिक के बीच संबंध को एक व्यापक साझेदारी तक बढ़ाने पर सहमति जताई। व्यापक साझेदारी का मकसद दोनों देशों के संबंधों को एक नए स्तर पर ले जाना, मौजूदा सहयोग के तरीकों को मजबूत करना और दोनों देशों के बीच सहयोग को गहरा करने के नए रास्ते तलाशना है। हिंद-प्रशांत के बढ़ते भू-राजनीतिक, आर्थिक और तकनीकी महत्व को पहचानते हुए, दोनों नेताओं ने आपसी फायदे वाले सहयोग, क्षेत्रीय जुड़ाव, खुले अंतरराष्ट्रीय व्यापार, नेविगेशन की आजादी, विवादों के शांतिपूर्ण समाधान और नियमों पर आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के समर्थन में भारत और स्लोवाकिया के बीच एक मजबूत साझेदारी की अहमियत को माना।

कैलिफोर्निया में बी-52 बॉम्बर क्रैश , 8 की दर्दनाक मौत

उड़ान भरते ही आग का गोला बना विमान

» **कैलिफोर्निया, यूटर्न/ 16 जून**

अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य से मंगलवार सुबह एक भीषण विमान हादसे की खबर सामने आई है, जिसने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। अमेरिकी वायुसेना का सबसे भरोसेमंद और रणनीतिक विमानों में से एक, बी-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस बॉम्बर, दक्षिणी कैलिफोर्निया स्थित एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस के पास उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दर्दनाक हादसे में विमान में सवार सभी 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जिनमें अमेरिकी सेना के जवान, इंजीनियर और तकनीशियन शामिल थे।

वायुसेना के अधिकारियों के मुताबिक, यह दुर्घटना सोमवार सुबह करीब 11:20 बजे (स्थानीय समयानुसार) लॉस एंजिल्स के उत्तर में स्थित एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस पर हुई। विमान एक नियमित परीक्षण मिशन पर था। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद विमान नियंत्रण खो बैठा और जमीन से टकराते ही आग का गोला बन गया। भीषण हादसे में विमान के परखच्चे उड़ गए और मलबा धूं-धूं कर जलता नजर आया। घटना के बाद सामने आए फुटेज में देखा जा सकता है कि हादसे के बाद विमान का कोई भी हिस्सा साबुत नहीं बचा था, रेगिस्तान में सिर्फ जलता हुआ मलबा दिख रहा था।

एडवर्ड्स बेस पर 412वें टेस्ट विंग के डिप्टी कमांडर, कर्नल जेम्स हेस, ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में भावुक होते हुए कहा, हमने 8 अच्छे अमेरिकियों को खो दिया है। उन्होंने बताया कि क्रैश के फुटेज देखने के बाद यह स्पष्ट हो गया था कि इस हादसे में किसी का भी जिंदा बचना असंभव था। वायुसेना के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि विमान में सवार सभी 8 कर्मियों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। फिलहाल, दुर्घटना के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है और वायुसेना ने इसकी गहन जांच शुरू कर दी है।

बोइंग का बी-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस एक लंबी दूरी का रणनीतिक बॉम्बर विमान है, जो परमाणु और पारंपरिक दोनों तरह के हथियार ले जाने में सक्षम है। यह विमान वियतनाम से लेकर ईरान तक कई सैन्य अभियानों में इस्तेमाल किया जा चुका है और इसे अमेरिकी वायुसेना का रीढ़ माना जाता है। हाल के वर्षों में इसमें कई उन्नत अपग्रेड किए गए हैं, जिनमें आधुनिक रडार सिस्टम शामिल हैं, जो इसकी मारक क्षमता और प्रभावशीलता को बढ़ाते हैं।

बांग्लादेश में ऐतिहासिक स्थानों के नाम बदलने की उठी मांग , हिंदूओं की बढ़ी चिंता

अल्पसंख्यक संगठनों ने की धर्म की परवाह किए बिना समान सुरक्षा की मांग

» **ढाका, यूटर्न/ 16 जून ।**

बांग्लादेश में ऐतिहासिक महत्व वाले स्थानों के नाम बदलने की मांग को लेकर विवाद बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर गाइबांधा जिले में एक हिंदू धार्मिक परिसर के निर्माण कार्य को रोक दिया गया है। इन घटनाओं ने अल्पसंख्यक अधिकारों से जुड़े लोगों के बीच चिंता बढ़ा दी है। बता दें इस हिंदू धार्मिक परिसर की सबसे प्रमुख विशेषता बांग्लादेश की सबसे ऊंची भगवान कृष्ण की प्रतिमा है। करीब 50 फीट ऊंची इस काली प्रतिमा का उद्घाटन 25 नवंबर 2025 को राजशाही में भारत के सहायक उच्चायुक्त मनोज कुमार ने किया था। उद्घाटन के बाद से यह स्थल बांग्लादेश के कई हिस्सों से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। मंदिर समिति की दीर्घकालिक योजना में कई हिंदू देवी-देवताओं की कुल 144 प्रतिमाओं का निर्माण, धार्मिक संरचनाएं और सुंदर कलात्मक स्थापत्य विकसित करना शामिल है। इसके साथ ही सबसे ताजा विवाद बोगरा जिले के शिबगंज उपजिला से जुड़ा है। शिबगंज का नाम लंबे समय से भगवान शिव से जुड़ा माना जाता है।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619

* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *